● वर्ष : 17 ● अंक : 201 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

मंगलवार 12 मई 2026

सोमनाथ के शिखर पर पहली बार कुंभाभिषेक, पीएम ने की महापूजा

प्रधानमंत्री बोले- आज वो उस क्षण को जी रहे जो पहले कभी देश के प्रथम राष्ट्रपति ने जीआ होगा

एजेंसी। अहमदाबाद

वायुसेना ने भी दिखाई जांबाजी, 75 साल का गौरव

गुजरात के गिर सोमनाथ में स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ के मंदिर में आज सोमनाथ अमृत महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। मंदिर के आधुनिक पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विशेष धार्मिक अनुष्ठानों और महापूजा में भाग लिया। पूरा मंदिर परिसर वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद और भक्तिमय संगीत से सराबोर रहा। इस अवसर पर देशभर के साधु-संतों, कलाकारों और हजारों श्रद्धालुओं की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भी दिव्य बना दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ पहुंचकर सबसे पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा को नमन किया, जिन्होंने मंदिर के जीर्णोद्धार का संकल्प लिया था। इसके पश्चात, मंदिर के इतिहास में पहली बार शिखर पर कुंभाभिषेक का अलौकिक दृश्य देखने को मिला। देश के 11 पवित्र तीर्थस्थलों के जल से भरे एक विशाल पांच फुट ऊंचे कलश को क्रेन की सहायता से करीब 90 मीटर ऊंचे मंदिर शिखर तक पहुंचाया गया, जहां शास्त्रों के अनुसार जलाभिषेक संपन्न हुआ। प्रधानमंत्री ने इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में पूरी श्रद्धा के साथ हिस्सा लिया। धार्मिक समारोह के साथ-साथ आज सोमनाथ की धरती पर राष्ट्रभक्ति और शौर्य का संगम भी देखने को मिला। भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने मंदिर परिसर के ऊपर हैरतअंगेज एयर शो का प्रदर्शन किया। छह हॉक एमके-132 विमानों ने आसमान में आकर्षक फॉर्मेशन बनाकर दर्शकों का मन मोह लिया। मंदिर के भव्य शिखर के ऊपर वायुसेना के इन विमानों की गूँज और कलाबाजियों ने श्रद्धालुओं के बीच रोमांच भर दिया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी का जामनगर से लेकर सोमनाथ तक अभूतपूर्व स्वागत किया गया। सोमनाथ पहुंचने पर उन्होंने एक भव्य रोड शो किया, जिसमें सड़क के दोनों ओर जमा जनसैलाब ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया। गुजरात सरकार और सोमनाथ ट्रस्ट ने इस महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की थीं। मंदिर को विशेष लाइटिंग और विदेशी फूलों से सजाया गया है, जिससे रात्रि के समय इसकी आभा और भी मनोरम हो गई है। यह उत्सव न केवल आस्था का प्रतीक बना, बल्कि आधुनिक भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति के पुनर्जागरण का भी संदेश दे गया।

सोमनाथ अमृत महोत्सव में पीएम को हुई दिव्य अनुभूति

अहमदाबाद। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को सोमनाथ अमृत महोत्सव में भाग लिया, जहां उन्होंने दिव्य अनुभूति व्यक्त कर कहा कि वे यहां आकर धन्य महसूस कर रहे हैं। यह महोत्सव पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के भक्तों के लिए अपने द्वार खोलने के 75 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी भावनाएं व्यक्त कर प्रधानमंत्री मोदी ने जय सोमनाथ लिखा और बताया कि पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ पर पावनधाम सोमनाथ आकर मन अभिभूत और भावविभोर हो गया है। उन्होंने कहा कि वह आज उस क्षण को जी रहे हैं, जिसका अनुभव भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के लोकार्पण के मौके पर जीआ होगा।

ज्वलंत मुद्दा **संपादकीय**

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दयनीय स्थिति में

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पिछले ढाई महीनों में तेजी से घटकर लगभग 550 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। यह स्थिति केंद्र सरकार और रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के लिए चिंता का विषय है। विदेशी मुद्रा भंडार देश की आर्थिक मजबूती का महत्वपूर्ण आधार है। इसी के सहारे आयात, अंतर्राष्ट्रीय भुगतान और मुद्रा विनिमय दर को स्थिर रखने में होता है। इसका असर आयात और निर्यात दोनों पर पड़ता है। अमेरिका और ईरान के बीच जब युद्ध चल रहा है, ऐसी स्थिति में वैश्विक बाजार में अस्थिरता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और डॉलर की मजबूती के कारण भारत पर आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट भारत की अर्थ व्यवस्था के लिए गंभीर संकट का संकेत है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का 85 फ़ीसद हिस्से का आयात करता है।

खाद भी बड़े पैमाने पर भारत को आयात करनी होती है। पेट्रोलियम, खाद और गैस के आयात में भारी मात्रा में डॉलर की जरूरत होती है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी सरकार और रिजर्व बैंक को वैकल्पिक उपायों पर विचार करने पर मजबूर कर रहे हैं। इसी क्रम में डॉलर बॉन्ड जारी करने की योजना सामने आई है। विदेशों में बसे भारतीयों (एनआरआई) को बांड बेचकर सरकार डॉलर का भंडार बढ़ाना चाहती है। यह योजना सरकार और रिजर्व बैंक के लिए अल्पकालिक राहत देने वाली होगी। एनआरआई निवेशकों से डॉलर प्राप्त कर सरकार विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत करने का प्रयास करेगी। इससे तत्काल डॉलर की उपलब्धता बढ़ सकती है। रुपये पर पड़ रहा दबाव कुछ कम हो सकता है। भारत वित्तीय स्थिति को तत्काल नियंत्रित करने में सफल हो सकता है। लेकिन आगे चलकर अर्थव्यवस्था में दोहरा दबाव भी पड़ सकता है। इस योजना के साथ कई जोखिम भी हैं। सबसे बड़ा खतरा विनिमय दर का है। पिछले कुछ वर्षों में डॉलर, लगातार रुपये के मुकाबले मजबूत हुआ है।

भविष्य में रुपये की कमजोरी जारी रहती है, तो सरकार को बॉन्ड का भुगतान मांग के अनुसार करने पर ज्यादा डॉलर भुगतान करना पड़ेगें। इसमें सरकार को केवल ब्याज ही नहीं, बल्कि विनिमय दर मे भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। यह स्थिति भविष्य में वित्तीय दबाव को और बढ़ा सकती है। विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए केवल उधारी आधारित समाधान लंबे समय तक प्रभावी नहीं हो सकते हैं। आवश्यकता इस बात की है, भारत को निर्यात बढ़ाने और आयात पर निर्भरता घटाने, घरेलू उत्पादन को मजबूत करने की दिशा में ज्यादा ध्यान देना होगा। ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, विनिर्माण क्षेत्र का विस्तार, निर्यात बढ़ाने और वैश्विक निवेश आकर्षित करने की दिशा में दीर्घकालीन ठोस कदम उठाने जरूरी हैं। सरकार और रिजर्व बैंक को समझना होगा, विदेशी मुद्रा भंडार केवल आंकड़ों का खेल नहीं है। यह देश के आयात-निर्यात भुगतान के संतुलन तथा आर्थिक विश्वसनीयता का प्रतीक है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडुः शपथ ग्रहण के अगले ही दिन नई सरकार में रार

चेन्नई। तमिलनाडु में नई सरकार के गठन को अभी 24 घंटे भी नहीं बीते हैं कि सत्ता पक्ष और उसके सहयोगी दलों के बीच वैचारिक मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। मुख्यमंत्री थलपति विजय की पार्टी टीवीके को समर्थन देने वाली वीसीके के प्रमुख थोल थिरुमावलवन ने शपथ ग्रहण समारोह की प्रक्रिया और मुख्यमंत्री के बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। थिरुमावलवन ने शपथ ग्रहण समारोह में प्रोटोकॉल के उल्लंघन का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की स्थापित परंपरा के अनुसार, सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत तमिल थाई वलथु (राज्य गीत) से होती है। लेकिन विजय के समारोह में सबसे पहले वंदे मातरम बजाया गया, उसके बाद राष्ट्रगान हुआ और अंत में तमिल थाई वलथु को जगह मिली। थिरुमावलवन ने सवाल उठाया कि क्या यह बदलाव राज्यपाल को खुश करने के लिए किया गया था? उन्होंने इसे क्षेत्रीय अस्मिता के खिलाफ बताते हुए कहा कि वंदे मातरम जैसे गीत को प्राथमिकता देना चिंताजनक है, क्योंकि इस पर अक्सर धार्मिक रंग के आरोप लगते रहे हैं। मुख्यमंत्री विजय ने पद संभालते ही पिछली सरकार पर 10 लाख करोड़ रुपये का कर्ज छोड़ने और खजाना खाली करने का आरोप लगाया था।

पहले आईबीसीए सम्मेलन का प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन, 95 देशों के प्रतिनिधि होंगे शामिल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत की पहल पर गठित इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) के पहले वैश्विक सम्मेलन का एक जून को उद्घाटन करेंगे। भारत मंडपम में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन की थीम "विशालकाय बिल्लयों को बचाओं, पारिस्थितिकी तंत्र को बचाओ, मानवता को बचाओ है। इसमें दुनिया भर के 95 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इस दौरान बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जगुआर और प्यूमा सहित सात विशालकाय बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण और उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा पर चर्चा होगी। आईबीसीए के महानिदेशक डॉ. एसपी यादव ने यहां सोमवार को पत्रकारों को बताया कि सम्मेलन में विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख बिग कैट संरक्षण को लेकर अपने अनुभव और रणनीतियां साझा करेंगे। इस दौरान विशालकाय बिल्लियों के संरक्षण के लिए दिल्ली के घोषणापत्र को भी अपनाया जाएगा। यह विशालकाय बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण की दिशा में अहम वैश्विक दस्तावेज माना जा रहा है। एक और दो जून को ताज पैलेस में तकनीकी सत्र आयोजित होंगे। इनमें 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ, नीति निर्माता, वैज्ञानिक, वित्तीय संस्थानों और कॉर्पोरेट जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें जनजातीय कला, बिग कैट्स पर आधारित पेंटिंग्स, फोटोग्राफी, फिल्में और वर्चुअल रियलिटी अनुभव प्रदर्शित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि विशालकाय बिल्ली प्रजातियां पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं।

पोखरण परीक्षण भारत की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए वर्ष 1998 के सफल पोखरण परमाणु परीक्षणों को भारत की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मविश्वास का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम अपने वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत और समर्पण को गर्व के साथ याद करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप 1998 में पोखरण में सफल परीक्षण हुए थे। वह ऐतिहासिक क्षण भारत की वैज्ञानिक उत्कृष्टता और अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी एक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में एक प्रमुख स्तंभ बन चुकी है। यह नवाचार को गति देने, अवसरों का विस्तार करने और विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र के विकास में योगदान दे रही है। मोदी ने कहा कि सरकार का निरंतर प्रयास प्रतिभाओं को सशक्त बनाने, अनुसंधान को प्रोत्साहित करने और ऐसे समाधान विकसित करने पर केंद्रित है, जो राष्ट्र की प्रगति और हमारे लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करें। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर एक संस्कृत सुभाषित भी साझा किया, जिसमें 'अग्नि' को स्वर्ग की सर्वोच्च शक्ति और पृथ्वी पर समस्त ऊर्जा का मूल स्रोत बताया गया है। उन्होंने कहा कि यही अग्नि तत्व पदार्थ के सूक्ष्मतम कणों में छिपी अपार शक्ति को जागृत करता है और समस्त सृष्टि में ऊर्जा एवं गति का संचार करता है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, "वर्ष 1998 में आज के दिन पोखरण में हुए परमाणु परीक्षण ने दुनिया को भारत के अद्भुत सामर्थ्य से परिचित कराया।

दिल्ली में नितिन गडकरी ने शुरू की बैरियर-लेस टोलिंग प्रणाली, देश का दूसरा एमएलएफएफ टोल प्लाजा हुआ चालू

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को दिल्ली के यूईआर-II पर स्थित मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) बैरियर-लेस टोलिंग प्रणाली का उद्घाटन किया। यह देश में इस प्रकार की दूसरी प्रणाली है। इससे पहले 2 मई को गुजरात के एनएच-48 के सूरत-भरूच खंड पर स्थित चोरायासी टोल प्लाजा पर इसे लागू किया गया था। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, अजय टम्टा, पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत, उत्तर पश्चिम दिल्ली से सांसद योगेंद्र चंदौलिया तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव मौजूद रहे। गडकरी ने कहा कि पहले टोल प्लाजा पर लंबी कतारें लगती थीं, जिससे यात्रियों को एक-एक घंटे तक रुकना पड़ता था। इससे न केवल समय की बर्बादी होती थी बल्कि वाहनों को बार-बार गियर बदलने और इंजन चालू रखने से ईंधन की खपत भी बढ़ती थी। नई प्रणाली से इन समस्याओं से मुक्ति मिलेगी और जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि ज्ञान को संपदा में बदलना ही भविष्य है और तकनीक के उपयोग से राजस्व संग्रह में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ी है। गडकरी ने कहा कि पहले टोल संग्रह से मंत्रालय की आय 40-45 हजार करोड़ रुपये थी, जो फास्टैग लागू होने के बाद 55 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई। अब एमएलएफएफ प्रणाली से दो बड़े फायदे होंगे। पहला, टोल संग्रह की लागत 15 फीसदी से घटकर केवल 4 फीसदी रह जाएगी, जिससे हर साल लगभग 5-6 हजार करोड़ रुपये की बचत होगी। दूसरा, चोरी और राजस्व रिसाव पूरी तरह बंद हो जाएगा, जिससे 12-15 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त लाभ होगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालय दिल्ली के तीनों कूड़े के पहाड़ों को खत्म कर रहा है और वहां से निकले कचरे का उपयोग हाईवे निर्माण में किया जा रहा है। प्लास्टिक, ग्लास और मेटल को अलग करके सड़क निर्माण में इस्तेमाल किया जा रहा है। पराली की समस्या से निपटने के लिए भी काम हो रहा है। आईसीआईसीआई संस्था ने पराली से बायो-बिटुमिन तैयार किया है।

उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्रियों ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर वैज्ञानिकों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह समेत कई अन्य मंत्रियों और राज्यो के मुख्यमंत्रियों ने आज देश के सभी वैज्ञानिकों, अभियंताओं , नवप्रवर्तकों और शोधकर्ताओं को शुभकामनाएं दी। उपराष्ट्रपति ने एक्स संदेश में कहा कि 1998 में इस दिन पोखरण परीक्षण रेंज में किए गए परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को भारत की उल्लेखनीय वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता से परिचित कराया, जो आत्मनिर्भरता और रणनीतिक ताकत की दिशा में देश की यात्रा में एक निर्णायक क्षण था। देश के लोगों की प्रतिभा और समर्पण के बल पर विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। भारत राष्ट्रीय विकास और मानवता की प्रगति के लिए नई उपलब्धियां हासिल करता रहा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि 11 मई 1998, वह ऐतिहासिक दिन, जब पोखरण (राजस्थान) की धरती से भारत ने दुनिया को अपनी वैज्ञानिक क्षमता, आत्मविश्वास और सामरिक शक्ति का परिचय कराया। पोखरान-II परमाणु परीक्षण आत्मनिर्भर, सशक्त और निर्णायक भारत के उदय की घोषणा थी।

ईरान का जवाब पढ़ा, मुझे बिल्कुल पसंद नहीं आया, यह प्रस्ताव स्वीकार नहीं: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा- मैंने ईरान के प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसे स्वीकार नहीं किया सकता। इससे पहले भी ट्रम्प ने ईरान पर खेल खेलने का आरोप लगाया था। ईरानी मीडिया के मुताबिक तेहरान ने रविवार को पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को अपना नया प्रस्ताव भेजा था। रिपोर्ट के मुताबिक प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही गई थी। अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत ईरान को कम से कम 12 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना होगा और अपने पास मौजूद करीब 440 किलो 60फीसदी एनरिच्ड यूरेनियम अमेरिका को सौंपना होगा। इसके बदले अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देगा, ईरान की फ्रीज की गईं अरबों डॉलर की संपत्तियां छोड़ेगा, साथ ही ईरानी बंदरगाहों पर लगी नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम और हाईली एनरिच्ड यूरेनियम पर पूरी तरह समझौता करने को तैयार नहीं है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि उनका जवाब सकारात्मक और व्यावहारिक है।

प्रॉपर्टी बाजार धड़ाम! कई शहरों में 2005 जैसे दाम, लोगों ने बंद की EMI

एजेंसी। बीजिंग/नई दिल्ली

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन इन दिनों गंभीर प्रॉपर्टी संकट से गुजर रही है। हालात ऐसे बन गए हैं कि कई शहरों में मकानों और फ्लैटों की कीमतें 15-20 साल पुराने स्तर तक पहुंच गई हैं। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार चीन के कई हिस्सों में प्रॉपर्टी के दाम 2005-06 के आसपास के रेट तक गिर चुके हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि लाखों लोगों ने होम लोन की किस्तें यानी ईएमआई देना तक बंद कर दिया है। चीन में पिछले कुछ वर्षों के दौरान एवरग्रांडे, कंट्री गार्डन और वांके जैसी बड़ी रियल एस्टेट कंपनियां भारी कर्ज में डूब गईं। इन कंपनियों ने लोगों से पैसा लेकर हजारों प्रोजेक्ट शुरू किए, लेकिन आर्थिक संकट के कारण कई प्रोजेक्ट अधूरे रह गए। इससे नाराज खरीदारों ने "मॉर्गेज बायकाट" शुरू कर दिया और बैंकों को ईएमआई देना बंद कर दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में लंबे समय तक प्रॉपर्टी बाजार कृत्रिम रूप से बढ़ाया गया। लोगों ने निवेश के लिए बड़ी संख्या में फ्लैट खरीदे, लेकिन वास्तविक मांग उतनी नहीं थी। जब अर्थव्यवस्था धीमी हुई और रोजगार संकट बढ़ा, तब प्रॉपर्टी बाजार का बुलबुला फूटने लगा। अब सवाल उठ रहा है कि क्या भारत में भी ऐसे हालात पैदा हो सकते हैं? रियल एस्टेट विशेषज्ञों के अनुसार भारत और चीन की स्थिति पूरी तरह समान नहीं है। भारत में अभी भी शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है और घरों की वास्तविक मांग बनी हुई है। भारत में अधिकांश लोग जरूरत के लिए मकान खरीदते हैं, जबकि चीन में निवेश के लिए बड़े पैमाने पर खरीदारी हुई थी। हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि भारत को सतर्क रहने की जरूरत है।

पश्चिम एशिया तनाव से नेपाल की अर्थव्यवस्था और मानव विकास पर संकट के बादल-रिपोर्ट

एजेंसी। काठमांडू

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) में नेपाल की उपलब्धियां जोखिम में पड़ सकती हैं। यूएनडीपी की पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभाव पर ताजा अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला, रेमिटेंस प्रवाह और आयातित वस्तुओं पर अत्यधिक निर्भरता के कारण नेपाल के इस संघर्ष से प्रभावित होने की आशंका में है। यूएनडीपी की "मिलिट्री एस्केलेशन इन द मिडल ईस्टः ह्यूमन डेवलपमेंट इम्पैक्ट्स अक्रॉस एशिया एंड द पैसिफिक" शीर्षक वाली प्रारंभिक मूल्यांकन रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि दो महीने से जारी संघर्ष लंबा खिंचता है तो नेपाल और पाकिस्तान को मानव विकास के क्षेत्र में सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। युद्ध के कारण खाड़ी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था कमजोर होने से रेमिटेंस आय घट सकती है। इससे परिवारों की क्रय शक्ति कम होगी और खाद्य सुरक्षा पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि युद्ध के कारण कृषि में व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले फॉस्फेट उर्वरक के लिए आवश्यक सल्फर की ढुलाई बाधित हुई है। पेट्रोलियम पदार्थों के सह-उत्पाद सल्फर की कीमत और आपूर्ति में समस्या आने से नेपाल में धान उत्पादन पर असर पड़ सकता है, जो कृषि क्षेत्र का प्रमुख आधार है। रिपोर्ट में कहा गया है, "नेपाल में रोजगार का जोखिम वैदेशिक श्रम प्रवासन से गहराई से जुड़ा हुआ है। करीब 80 प्रतिशत प्रवासी श्रमिक खाड़ी देशों और मलेशिया जाते हैं। यदि व्यवधान जारी रहा, तो श्रमिक आवाजाही में कमी आने से रेमिटेंस पर निर्भर परिवारों की आय और रोजगार प्रभावित हो सकते हैं। यूएनडीपी के विश्लेषण के अनुसार, रेमिटेंस और कृषि क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर कम होगी, जिससे एचडीआई के आय संबंधी सूचक प्रभावित होंगे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित देशों में स्वास्थ्य और शिक्षा के सूचकांकों पर भी असर पड़ेगा।

ऑपरेशन सिंदूर' की याद में सैनिकों ने नई दिल्ली में लगातार लगाई 88 घंटे दौड़

नई दिल्ली। पिछले साल पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को तबाह करने के लिए शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली सालगिरह पर भारतीय वायु सेना ने नई दिल्ली में 88 घंटे लगातार दौड़ का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना की सभी कमानों से कुल 600 धावकों ने भाग लिया। इस दौड़ को 7 मई को सुबह 1:05 बजे एयर ऑफिसर इन चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन (एओए) ने इंडिया गेट से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसका समापन 10 मई को शाम 5:00 बजे एयर फोर्स स्टेशन नई दिल्ली में वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने किया। यह दौड़ 88 घंटे तक चलने वाली निरंतर रिले प्रारूप में आयोजित की गई थी, जिसमें असैनिक अधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नागरिक स्वयंसेवकों ने भी दौड़ में पूरे जोश के साथ भाग लिया। वायु सेना के बैंड ने भी 10 मई को नेहरू पार्क में सुबह 6:30 से सुबह 8:00 बजे तक लाइव प्रस्तुति दी। इसका रूट दिल्ली के महत्वपूर्ण स्थलों से होकर गुजरा, जिनमें इंडिया गेट, ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग, वायु सेना मुख्यालय वायु भवन, नेहरू पार्क और न्यू मोती बाग रोड शामिल हैं।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

महापौर ने बादली क्षेत्र का किया निरीक्षण, मौके पर कराया समाधान

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर प्रवेश वाही ने सोमवार को सिविल जोन के अंतर्गत बादली क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण कर क्षेत्र की सफाई व्यवस्था एवं नागरिक सुविधाओं की जमीनी हकीकत का जायजा लिया। इस दौरान महापौर ने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का दौरा कर नागरिकों से सीधे संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं तथा मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बादली क्षेत्र में जगह-जगह फैली गंदगी, सड़कों पर पड़े मलबे तथा बदहाल सफाई व्यवस्था को देखकर महापौर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि सफ़ाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महापौर स्वयं मौके पर खड़े रहे और निगम कर्मचारियों से अपने सामने मलबा उठवाने एवं सफाई कार्य शुरू करवाया। उन्होंने स्वयं भी अपने हाथों से कूड़ा उठाकर अधिकारियों और कर्मचारियों को यह संदेश दिया कि दिल्ली की सफाई व्यवस्था केवल औपचारिकता नहीं बल्कि जनता के प्रति निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। महापौर प्रवेश वाही ने निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के दुकानदारों एवं व्यापारियों से भी संवाद किया और उन्हें अपनी दुकानों के बाहर अनिवार्य रूप से कूड़ेदान रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाने की जिम्मेदारी केवल नगर निगम की नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी है। यदि नागरिक एवं व्यापारी वर्ग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें तो राजधानी को साफ-सुथरा एवं बेहतर बनाया जा सकता है। महापौर ने कहा कि नगर निगम लगातार जमीनी स्तर पर सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कार्य कर रहा है तथा वे स्वयं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। जहां कहीं भी सफाई व्यवस्था, कूड़ा निस्तारण, मलबा उठाने या नागरिक सुविधाओं में कमी पाई जा रही है, वहां तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी तथा सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर उनके विरुद्ध सख़्त कार्रवाई की जाएगी।महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में नियमित सफाई, समयबद्ध कूड़ा उठान एवं मलबा हटाने की व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए ताकि नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। सिविल लाइंस जोन के अंतर्गत बादली क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान विधायक दीपक चौधरी, क्षेत्रीय निगम पार्षद गायत्री यादव, क्षेत्रीय उपायुक्त शशि प्रताप सिंह सहित निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उद्योग जगत को मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाने की जरूरतः वाणिज्य सचिव

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को घरेलू कंपनियों से आग्रह किया कि वे भारत द्वारा हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का लाभ उठाएं और वैश्विक गुणवत्ता मानकों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करें। राजेश अग्रवाल ने नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित 'वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2026' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, "हमने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि हम केवल टैरिफ (शुल्क) तक ही सीमित न रहें। हम दोनों पक्षों के उद्योगों को 360-डिग्री की व्यापक पूर्वानुमान क्षमता और स्पष्टता प्रदान करते हैं, ताकि वे वास्तव में इन एफटीए का लाभ उठा सकें और ऐसे मार्ग प्रशस्त कर सकें, जो अधिक टिकाऊ विकास की ओर ले जाएं।" वाणिज्य सचिव ने कहा कि भारतीय उद्योग जगत को उन मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का लाभ उठाने और उनका उपयोग करने की आवश्यकता है, जिन्हें भारत अंतिम रूप दे रहा है। ये समझौते व्यापार और निवेश, दोनों के लिए बड़े अवसर प्रदान करते हैं। एफटीए का पूरी तरह से उपयोग करने और लाभ उठाने का देश का पिछला रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि देश की औद्योगिक नीति को उसकी व्यापार नीति का पूरक होना चाहिए, क्योंकि व्यापार इस बात पर भी निर्भर करता है कि भारत कैसे निवेश और उत्पादन करता है। मुक्त व्यापार समझौतों पर एक सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''एफटीए के उपयोग पर हमसे बार-बार सवाल पूछे जाते हैं। वास्तव में एफटीए से क्या लाभ मिल रहा है?'' उन्होंने कहा कि भारत ने सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया और आसियान सहित कई देशों और समूहों के साथ व्यापार समझौते किए हैं। अग्रवाल ने कहा कि इन समझौतों से द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि हुई है, लेकिन भारत का निर्यात, आयात की तुलना में धीमी गति से बढ़ा है। अग्रवाल ने मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ (ईयू), ब्रिटेन, ईएफटीए, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ व्यापार समझौतों के बारे में बात करते हुए कहा कि ये आधुनिक समझौते हैं और केवल शुल्क तक सीमित नहीं हैं। उद्योग और सरकार सहित सभी हितधारकों को इन समझौतों को देश के लिए उपयोगी बनाने को कदम उठाने की जरूरत है। इन एफटीए के उपयोग को बढ़ाने के लिए सूचनाओं का प्रसार और क्षमता निर्माण महत्वपूर्ण है।

आईसीएमआर ने उद्योग जगत को सौंपीं तीन स्वदेशी मेडिकल तकनीकें

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' के अवसर पर आयोजित 'विज्ञान–टेक' कार्यक्रम में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने अपनी तीन स्वदेशी मेडिकल तकनीकों का उद्योग जगत को हस्तांतरण किया। इनमें प्रोस्टेट बायोप्सी गाइडेंस के लिए किफायती पीएसपी94 एलीसा तकनीक, रक्त जमाव विकार की जांच के लिए प्वाइंट ऑफ केयर डायग्नोस्टिक तकनीक और डेंगू, चिकनगुनिया तथा जीका वायरस की पहचान के लिए सिंगल ट्यूब मल्टीप्लेक्स आरटी-पीसीआर तकनीक शामिल हैं।इन तकनीकों को क्रमशः क्रिशजेन लैब प्रा.लि., मेरिल लाइफ साइंस और वैनगार्ड लाइफ साइंस को लाइसेंस किया गया।ब्रिक– नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी में आयोजित कार्यक्रम में देश के 14 वैज्ञानिक, मंत्रालयों और विभागों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम 2014 में मात्र 350-400 स्टार्टअप से बढ़कर आज दो लाख से अधिक हो गया है, जिससे भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है। भारत की ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स रैंकिंग 80 से सुधरकर 38 हो गई है, जबकि देश आज पेटेंट के मामले में विश्व स्तर पर छठे स्थान पर है, जहां एक लाख से अधिक पेटेंट दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 55 प्रतिशत से अधिक भारतीय नागरिकों द्वारा दर्ज किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत वैज्ञानिक प्रकाशनों और नवाचार-आधारित अनुसंधान में भी विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है।इस अवसर पर डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और "विकसित भारत के लिए भारत के नवाचार इकोसिस्टम का निर्माण" विषय पर आधारित इस दिनभर के कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रदर्शकों से बातचीत की। इस दौरान भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव एवं आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल मौजूद रहे। आईसीएमआर ने कार्यक्रम में बायोफार्मा, हेल्थ और ग्रीन केमिकल्स क्षेत्र से जुड़ी छह प्रमुख स्वदेशी तकनीकों का प्रदर्शन किया। इनमें कोवैक्सीन, कोविड कवच एलीसा किट, क्रिसपर आधारित टीबी डिटेक्शन सिस्टम, निपाह प्वाइंट ऑफ केयर एसे, डेंगू डिटेक्शन एलिसा किट और मच्छर नियंत्रण के लिए बायोलार्विसाइड शामिल रहे। आईसीएमआर ने बताया कि यह पहल 'मेक इन भारत' और आत्मनिर्भर स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में देशभर के शोध संस्थानों द्वारा विकसित 25 नवाचारों को भी राष्ट्रीय संकलन में शामिल किया गया।

मुख्यमंत्री ने "बेसहारे को सहारा" अभियान को दिखाई हरी झंडी

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को अपना घर आश्रम और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा भारती के संयुक्त अभियान "बेसहारे को सहारा" का आरंभ किया। इस अभियान का उद्देश्य सड़कों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थलों पर बेसहारा, बीमार और जीवन से निराश लोगों को राहत, उपचार और आश्रय उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने रेस्क्यू किए गए प्रभुजनों को लेकर जा रही एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर अपना घर आश्रम के लिए रवाना किया।कार्यक्रम के मीडिया संयोजक प्रोफेसर महेश वर्मा ने बताया कि "पीड़ित मुक्त दिल्ली" के संकल्प के साथ यह अभियान 11 मई से 15 मई तक दिल्ली के सभी जिलों में चलाया जाएगा। इसके तहत मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों, चर्चों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों जैसे सार्वजनिक स्थलों पर उन लोगों की पहचान की जाएगी, जो गंभीर बीमारी, भूख, मानसिक अस्थिरता या सामाजिक उपेक्षा का शिकार होकर असहाय अवस्था में जीवन बिता रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई लोग मल-मूत्र से सने हुए शरीर में कीड़े पड़ जाने जैसी अत्यंत दयनीय स्थिति में मिलते हैं। ऐसे लोगों को "प्रभुजन" मानकर अपना घर आश्रम द्वारा उनकी सेवा, चिकित्सा और देखभाल की जाएगी। अभियान के लिए आश्रम की 20 से अधिक एम्बुलेंस और सैकड़ों सेवा साथी तैनात किए गए हैं। जनसहयोग की अपील करते हुए आश्रम ने कहा है कि यदि किसी को कहीं भी बेसहारा व्यक्ति दिखाई दे तो उसकी सूचना हेल्पलाइन पर देकर गूगल लोकेशन साझा करें, ताकि तुरंत राहत पहुंचाई जा सके।इस अभियान में दिल्ली सरकार का समाज कल्याण विभाग भी सक्रिय सहयोग कर रहा है। दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने भी सभी थाना क्षेत्रों को अभियान के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपना घर आश्रम के कार्यों की सराहना करते हुए एक करोड़ रुपये की सहयोग राशि प्रदान की। उन्होंने कहा कि मानवता और सेवा की यह भावना समाज को नई दिशा देने वाली है तथा राजधानी दिल्ली से शुरू हुआ यह प्रयास पूरे देश के लिए प्रेरणा बनेगा।समाज कल्याण मंत्री रवि इंद्राज ने भी इस पहल को जनआंदोलन बनाने की बात कही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन सेवा भारती के दो हजार से अधिक कार्यकर्ता इस अभियान में जुटे हुए हैं।कार्यक्रम में अपना घर आश्रम के संस्थापक डॉ. बी.एम. भारद्वाज, सेवा भारती दिल्ली के प्रमुख रमेश अग्रवाल तथा अभियान संयोजक सांवर्मल उपस्थित रहे।डॉ. बी.एम. भारद्वाज के नेतृत्व में चल रहे इस महाअभियान में वीरपाल सिंह, अशोक मित्तल, रामपाल और विकास जैन सहित हजारों स्वयंसेवक सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आयोजकों का कहना है कि यह केवल सेवा का अभियान नहीं, बल्कि समाज में "नर सेवा ही नारायण सेवा" की भावना को मजबूत करने का एक बड़ा प्रयास है।

देश के विद्युत क्षेत्र को मजबूत करने के 21 वर्ष पूरे होने का मनाया गया जश्न

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। विनियामक मंच ने सोमवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में अपनी 100वीं बैठक के साथ देश के विद्युत क्षेत्र को मजबूत करने के 21 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। 2005 में स्थापित इस मंच ने बिजली क्षेत्र में सुधार, टैरिफ युक्तिकरण और नीतिगत समन्वय में अहम भूमिका निभाई। विनियामक मंच ने आज भारत मंडपम में सफलतापूर्वक अपनी 100वीं बैठक आयोजित की, जो इसकी 21 वर्षों की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वर्ष 2005 में स्थापित 'विनियामक मंच' एक वैधानिक मंच के रूप में कार्य करता है, जो विद्युत क्षेत्र में विनियामक प्रथाओं के समन्वय और सुधार के लिए केंद्रीय और राज्य विद्युत विनियामक आयोगों को एक साथ लाता है। विद्युत मंत्रालय ने बताया कि इन वर्षों में इस मंच ने 71 अध्ययन, 55 क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए हैं, 25 आदर्श विनियम जारी किए हैं और 6 तकनीकी समिति रिपोर्ट व 37 कार्य समूह रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं। इन पहलों ने देश में विद्युत क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन और टीईआरआई के विशिष्ट वक्ता श्री अजय शंकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सीईआरसी/एफओआर के अध्यक्ष जिष्णु बरुआ ने विशिष्ट अतिथियों और एफओआर के सदस्यों का इस 100वीं बैठक में स्वागत किया।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू से मिले उत्तराखंड के मंत्री खजान दास, अल्पसंख्यक योजनाओं पर हुई चर्चा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। उत्तराखंड सरकार के समाज कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, छात्र कल्याण एवं भाषा मंत्री खजान दास ने सोमवार को नई दिल्ली में अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरण रिजिजू से शिष्टाचार भेंट कर राज्य में संचालित अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं और विकास कार्यों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। बैठक के दौरान मंत्री खजान दास ने प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) के अंतर्गत उत्तराखंड में संचालित परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 13 परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है और लंबित बजट राशि समय पर मिलने पर इन परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जा सकेगा। उन्होंने वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तावित 17 नई परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति देने का अनुरोध भी किया, ताकि अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं और विकास कार्यों को गति मिल सके। बैठक में छात्रवृत्ति योजनाओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। मंत्री ने प्री-मैट्रिक, पोस्ट-मैट्रिक और मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति योजनाओं में लंबित मामलों तथा जांच प्रक्रिया के चलते छात्रों को हो रही परेशानियों की जानकारी देते हुए योजनाओं को पुनः सुचारु रूप से संचालित करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने राज्य सरकार की ओर से उठाए गए विषयों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदायों के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए केंद्र सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। बैठक में अल्पसंख्यक क्षेत्रों में विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन,आधारभूत ढांचे के सुदृढ़ीकरण और छात्र हितों से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान विशेष सचिव अल्पसंख्यक कल्याण विभाग डॉ.पराग मधुकर धकाते भी उपस्थित रहे।

दिल्ली में धूल प्रदूषण पर सरकार का बड़ा फैसलाः अब सभी सी एंड डी साइट्स पर 100 जीएसएम ग्रीन नेट अनिवार्य

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में बढ़ते धूल प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठाया है। अब दिल्ली की सभी निर्माण एवं तोड़फोड़ (सी एंड डी) साइट्स पर कम से कम 100 वैश्विक मोबाइल संचार प्रणाली (जीएसएम) वाली ग्रीन नेट का इस्तेमाल अनिवार्य कर दिया गया। यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के सोमवार को जारी आदेश के अनुसार निर्माण स्थलों, खुले निर्माण क्षेत्रों और जमा किए गए सी एंड डी मटेरियल को अब हाई-डेंसिटी डस्ट स्क्रीन से ढंकना जरूरी होगा, ताकि उड़ने वाली धूल को प्रभावी तरीके से रोका जा सके। सरकार का मानना है कि इससे पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे खतरनाक प्रदूषक कणों में कमी लाने में मदद मिलेगी। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण नियंत्रण के लिए बहु-स्तरीय रणनीति पर काम कर रही है, जिसमें सख्त नियम, वैज्ञानिक उपाय, तकनीक आधारित निगरानी और ज़मीनी स्तर पर कड़ा प्रवर्तन शामिल है।सिरसा ने कहा कि दिल्ली की प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई पूरी गंभीरता और तेजी से आगे बढ़ रही है। 100 जीएसएम का न्यूनतम मानक तय करके सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि धूल नियंत्रण के उपाय केवल औपचारिकता न रहें, बल्कि वास्तव में प्रभावी साबित हों।सरकार के अनुसार पहले निर्माण स्थलों को तिरपाल या ग्रीन नेट से ढंकना अनिवार्य था, लेकिन उसकी गुणवत्ता को लेकर कोई स्पष्ट मानक तय नहीं था। अब 100 जीएसएम की न्यूनतम मोटाई निर्धारित होने से धूल नियंत्रण उपाय अधिक मजबूत और प्रभावी बनेंगे। यह फैसला एयर क्वालिटी मैनेजमेंट आयोग (सीएक्यूएम) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और सी एंड डीपरियोजनाओं के निरीक्षण एसओपी के अनुरूप लिया गया है।सिरसा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार डस्ट पोर्टल 2.0 पर भी तेजी से काम कर रही है। यह पोर्टल राजधानी की सभी निर्माण और तोड़फोड़ साइट्स की केंद्रीकृत निगरानी और नियंत्रण के लिए विकसित किया जा रहा है। सरकार पहले ही सभी सी एंड डी साइट्स के लिए पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कर चुकी है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) का यह आदेश दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), नई दिल्ली नगरपालिका परिषद एनडीएमसी, डीडीए, डीएमआरसी, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सहित कई प्रमुख एजेंसियों को तत्काल पालन के लिए भेज दिया गया है।

'दक्षिण–दक्षिण सहयोग': ऐतिहासिक रहा डॉ. जयशंकर का तीन–देशीय दौरा

लोकतंत्र की शान

पोर्ट ऑफ स्पेन। 'ग्लोबल साउथ' के साथ भारत के संबंधों को गहरा करने और 'दक्षिण-दक्षिण सहयोग' को मजबूत करने के लिहाज से बेहद ऐतिहासिक और रहा, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर का हाल ही में जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद एवं टोबैगो का तीन-देशीय दौरा। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य कैरेबियाई देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों, आर्थिक जुड़ाव और सांस्कृतिक संबंधों को नई ऊंचाई देना था। जयशंकर 2 से 10 मई तक तीन कैरेबियाई देशों की आधिकारिक यात्रा पर रहे और उनके इस दौरे का आखिर पड़ाव त्रिनिदाद और टोबैगो रहा, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री कमला पर्सद-बिसेसर से मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा की। उन्होंने त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद का दौरा भी किया, जहां प्रधानमंत्री ने उनके सम्मान में वक्तव्य दिया। उन्होंने सीनेट के अध्यक्ष और प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष से भी संसदीय सहयोग पर चर्चा की। यहां उनकी यात्रा की शुरुआत विदेश एवं कैरिकॉम मामलों के मंत्रालय में एक औपचारिक ध्वजारोहण समारोह के साथ हुई, जबकि यात्रा का समापन भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के साथ हुआ। विदेश मंत्री की यात्रा के प्रमुख पहलू पर गौर करें तो इस दौरान भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए 8 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इसके अलावा पीएम मोदी की पिछली प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए, जयशंकर ने स्कूली बच्चों को 'मेड इन इंडिया' 2,000 लैपटॉप का पहला जत्था भी सौंपा। विदेश मंत्रालय ने 10 मई को एक बयान में कहा दोनों देशों के बीच साइन हुए एमओयू पर्यटन, टी एंड टी विदेश मंत्रालय की इमारत को सौर ऊर्जा से लैस करने, वेक्टर नियंत्रण, नेल्सन द्वीप के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने और वेस्ट इंडीज विश्वविद्यालय में आयुर्वेद पर एक 'इंडियन चेयर' स्थापित करने से जुड़े क्षेत्रों में हैं। मंत्रालय ने कहा विदेश मंत्री ने यहां राष्ट्रीय कृषि विपणन और विकास निगम की एक कृषि-प्रसंस्करण सुविधा का उद्घाटन किया। इस सुविधा के लिए पिछले साल पीएम नरेंद्र मोदी ने एक मिलियन अमेरिकी डॉलर की मशीनरी सौंपी थी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, सम्भल

पत्र संख्या:/7010/नि0वि0/2026 **दिनांक :- 11.05.2026**

अल्पकालीन ई निविदा सूचना

विदित हो कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में शासन की पत्र सख्या 1039/2026/003-Comp No. 1954407 नगर विकास अनुभाग-1 लखनऊ दिनांक 23.03.2026 वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्तर प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों (नगर पालिका परिषदों/नगर पंचायतो) में अवस्थित सांस्कृतिक, धार्मिक, पौराणिक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलो पर अवस्थापना तथा अन्य सुविधाओं के विकास हेतु वंदन योजना हेतु 05 कार्यों की प्रस्तावित प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति अंकन 460.44 के सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में 05 कायों की अंकन 230.24 लाख रु0 की धनराशि अवमुक्त की गई है। शेष धनराशि द्वितीय किश्त के रूप में प्राप्त होने पर सम्पूर्ण कार्य होने पर ही भुगतान की कार्यवाही की जायेगी। नगर पालिका परिषद, सम्भल को आवंटित धनराशि से स्वीकृत निम्नलिखित निर्माण कार्य की ई-निविदा दिनांक: 26-5-2026 को 01:00 PM बजे तक आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा डालने से पूर्व निविदा के लिए न्यूनतम अर्हता हेतु निविदा की शर्तों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कर ले।

क्र0सं0	नगर पालिका/NPP STAGE	ठेकेदार / VENDOR STAGE	प्रारम्भ दिनांक व समय	अंतिम दिनांक व समय
1.	Tender Release		11-05-2026 10 AM	
2.		Tender Download	11-05-2026 10 AM	
3.		BID Submission	11-05-2026 10 AM	
4.	Close for BID			26-05-2026 1 PM
5.	BID Opening			26-05-2026 2 PM

वेबसाइट **http://etender.up.nic.in** पर निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण एवं विस्तृत शर्तें तथा बिडिंग प्रपत्र ऑनलाइन देखे जा सकते हैं।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, सम्भल

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, सम्भल

संक्षिप्त समाचार

छठी क्लास के छात्र को अगवा करने का प्रयास, शोर मचाने पर भाग आरोपी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : सोमवार को क्षेत्र में उसे समय हड़कंपच गया जब छठी क्लास के एक छात्र को आरोपी अगवा कर अपने साथ ले जाने की कोशिश कर रहा था लेकिन छात्र के शोर मचाने पर वह भाग गया तथा आशीष बंसल के पुत्र दक्ष को सकुशल उनके परिजनों के

सुपुर्द कर दिया गया, यह घटना अत्यंत गंभीर एवं चिंताजनक है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बच्चे को चॉकलेट खिलाकर बहला-फुसलाने तथा मानसिक रूप से भ्रमित करने का प्रयास किया गया प्रतीत होता है। दक्ष दीपपुर गेट के पास बेहद घबराई और बदहवास अवस्था में सड़क पर भागता हुआ नवीहसन सैफी को मिला। उस समय एक बाइक सवार उसका पीछा कर रहा था। बच्चा लगातार बचाने की गुहार लगा रहा था। मानवता का परिचय देते हुए नवीहसन सैफी ने बच्चे को सुरक्षित अपने साथ लेकर एडवोकेट सद्दाम सैफी के पास पहुंचे बच्चा इतना भयभीत था कि वह अपने घर का पता एवं पिता का मोबाइल नंबर तक सही प्रकार से नहीं बता पा रहा था। वह केवल इतना बता सका कि उसके पिताजी का नाम आशीष है और वे वकील हैं। तत्पश्चात तत्काल डायल 112 को मौके पर बुलाया गया। बाद में व्हाट्सएप समूहों एवं परिचितों के माध्यम से बच्चे के पिता आशीष बंसल जी की जानकारी प्राप्त हुई, जिसके उपरांत पुलिस की मौजूदगी में बच्चे को सकुशल उनके सुपुर्द कर दिया गया। यह केवल एक परिवार का मामला नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय है। छात्र के पिता एडवोकेट आशीष बंसल ने मांग करते हुए कहा है कि उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए आसपास के सीसीटीवी फुटेज तत्काल खंगाले जाएं तथा बच्चे को बहला-फुसलाकर ले जाने का प्रयास करने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

थाना अजीमनगर पुलिस ने चोरी की घटना का किया सफल अनावरण, आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। उत्तर प्रदेश/थाना अजीमनगर क्षेत्र में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए आरोपी को चोरी किए गए शत-प्रतिशत माल के साथ गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में लोगों ने राहत की सांस ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 09.05.2026 को वादी द्वारा थाना अजीमनगर में तहरीर दी गई थी कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके घर से सोने-चांदी के आभूषण तथा करीब 16 हजार रुपये नकद चोरी कर लिए गए हैं। इस संबंध में थाना अजीमनगर पर मु0अ0सं0-97/2026 धारा 305(ए) बीएनएस बनाम अज्ञात के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक जनपद रामपुर द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक रामपुर के निकट पर्यवेक्षण में थाना अजीमनगर पुलिस टीम द्वारा मामले की जांच शुरू की गई। पुलिस ने सुरागरसी-पतारसी, सीसीटीवी कैमरों तथा अन्य तकनीकी संसाधनों की सहायता से घटना का खुलासा किया। पुलिस ने दिनांक 10.05.2026 को चोरी की घटना को अंजाम देने वाले अभियुक्त मोसिम पुत्र मुराद अली निवासी ग्राम नगला गणेश थाना अजीमनगर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से चोरी गया समस्त माल बरामद किया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना की जा रही है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

ग्राम मंगरोली में भाजपा का बूथ सत्यापन अभियान चलाया गया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर: तहसील क्षेत्र के रुखालू मंडल के सेक्टर मंगरौली में भारतीय जनता पार्टी द्वारा बूथ सत्यापन अभियान चलाया गया, संगठन के दिशा निर्देशों के तहत यह अभियान आयोजित किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना रहा, इस दौरान मंडल पदाधिकारीयो और कार्यकर्ताओं ने बूथो पर पहुंच कर मतदाता सूची का सत्यापन किया, उन्होंने मतदाताओं की जानकारी का मिलान किया तथा नए मतदाताओं को जोड़ने और मतदाता सूची में मौजूद त्रुटियों को ठीक करने से संबंधित आवश्यक जानकारी भी प्रताप की, इस संबंध में मंडल अध्यक्ष हुकुम सिंह खड़कवंशी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार प्रयासरत है वहीं उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से बूथ सत्यापन कार्य को पूरी सक्रियता और जिम्मेदारी के साथ करने का आवाहन किया, इस मौके पर मंडल उपाध्यक्ष सुशील भगत जी ने बूथ को संगठन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताया तथा कार्यकर्ताओं से अपने-अपने बूथ को मजबूत बनाने के लिए मनोभाव से कार्य करने की अपील की, इस मौके पर संगठनात्मक मजबूती, आगामी रणनीतियों और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां पर भी विस्तृत चर्चा की गई, इस अवसर पर मंडल मंत्री मनीष त्यागी, सेक्टर संयोजक सतपाल सिंह प्रजापति, रूप किशोर प्रजापति,सोनू खड़कवंशी, सत्येंद्र त्यागी, जितेंद्र कुमार, डोरी सिंह खड़कबंशी, के पी गुर्जर आदि सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

"मजबूत बूथ ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत": राजू राणा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर: सोमवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'संगठन पर्व' और 'बूथ सशक्तिकरण अभियान' के अंतर्गत शक्ति केंद्र नगर पालिका परिषद एवं कंपोजिट प्राथमिक विद्यालय कायस्थान-1 पर बूथ समिति सत्यापन का महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने

संगठन की मजबूती का संकल्प दोहराते हुए आगामी लक्ष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। वही पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीत की खुशी में उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। इस दौरान 'जय भाजपा, विजय भाजपा' के नारों से परिसर गुंजायमान रहा। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल अध्यक्ष राजू राणा ने कहा कि "मजबूत बूथ ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है।" कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' के मंत्र पर जोर दिया और प्रत्येक बूथ अध्यक्ष को अपनी समिति के साथ सक्रिय रहने का आह्वान किया, इस मौके पर हसनपुर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजू राणा,पौरुष अग्रवाल मंडल उपाध्यक्ष एवं शक्ति केंद्र प्रभारी,आम्रपाली गुर्जर शक्ति केंद्र प्रभारी,प्रमोद पांडे मंडल मंत्री,विजय शर्मा बूथ अध्यक्ष,दीपमाला वर्मा शक्ति केंद्र संयोजक,महावीर शर्मा, रिटायर्ड एडीओ शक्ति केंद्र संयोजक,पवन कुमार बूथ अध्यक्ष,नीरा शर्मा,दीक्षा शर्मा,प्रिंस गुर्जर आदि मौजूद रहे वही कार्यक्रम के अंत में सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने संगठन को धरातल पर और अधिक प्रभावी बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

संभल नगर पालिका में विकास की ऐतिहासिक गूंज, बदल रही शहर की तस्वीर

» चौधरी मुशीर अली खान और अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी की कार्यशैली बनी चर्चा का विषय

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल। नगर पालिका परिषद संभल इस समय विकास की नई इबारत लिखती हुई नजर आ रही है। शहर में हो रहे व्यापक विकास कार्यों को लेकर आमजन से लेकर व्यापारी, सामाजिक संगठन और बुद्धिजीवी वर्ग तक खुलकर सराहना कर रहे हैं। नगरवासियों का कहना है कि आजादी के बाद पहली बार संभल नगर पालिका क्षेत्र में इतने बड़े स्तर पर एक साथ विकास कार्य धरातल पर दिखाई दे रहे हैं। वर्तमान चेयरमैन आसिया मुशीर अली खान के कार्यकाल में चेयरमैन पति एवं ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के नेता चौधरी मुशीर अली खान के नेतृत्व तथा अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी की सक्रिय कार्यप्रणाली के चलते संभल शहर तेजी से आधुनिकता और विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। नगर पालिका परिषद द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों, बाजारों और मोहल्लों में आधुनिक एलईडी लाइटें लगाई जा रही हैं, जिससे रात के समय पूरा शहर जगमगाता हुआ दिखाई देता है। पहले जहां कई क्षेत्रों में अंधेरा और अव्यवस्था बनी रहती थी, वहीं अब बेहतर प्रकाश व्यवस्था से नागरिकों को राहत मिल रही है। नगर के मुख्य मार्गों पर नई सड़कें बनाई जा रही हैं तथा जर्जर सड़कों का पुनर्निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही नालियों एवं बड़े नालों की सफाई और निर्माण कार्य भी बड़े पैमाने पर कराए जा रहे हैं, जिससे जलभराव जैसी समस्याओं से लोगों को काफी राहत मिली है। नगर पालिका परिषद संभल द्वारा धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मंदिर, मस्जिद और अन्य धार्मिक स्थलों के आसपास सफाई व्यवस्था मजबूत की गई है तथा सुंदरता बढ़ाने के लिए विशेष कार्य कराए जा रहे हैं। शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नियमित अभियान चलाए जा रहे हैं। जगह-जगह सफाई कर्मियों की टीमें तैनात हैं, जो सुबह से देर शाम तक सफाई कार्य में जुटी रहती हैं। नगरवासियों का कहना है कि वर्तमान समय में शहर पहले की अपेक्षा कहीं अधिक स्वच्छ और व्यवस्थित दिखाई दे रहा है। चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान लगातार नगर क्षेत्र का भ्रमण कर विकास कार्यों का निरीक्षण करते रहते हैं। आमजन की समस्याओं को सुनना और उनका त्वरित समाधान कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। एक सक्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी कार्यशैली और जनता के बीच उनकी मजबूत पकड़ भी लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। वहीं अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी भी नगर पालिका परिषद की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए पूरी गंभीरता और ईमानदारी के साथ कार्य करते दिखाई दे रहे हैं। विकास कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। नगर के व्यापारियों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों का कहना है कि संभल में जिस प्रकार तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं, उससे आने वाले समय में शहर की तस्वीर पूरी तरह बदल जाएगी। लोगों का मानना है कि यदि इसी गति से कार्य जारी रहे तो संभल जल्द ही प्रदेश के विकसित और खूबसूरत शहरों में अपनी अलग पहचान बनाएगा। वर्तमान समय में नगर पालिका परिषद संभल द्वारा कराए जा रहे विकास कार्य जनचर्चा का विषय बने हुए हैं और हर वर्ग के लोग इन प्रयासों की खुलकर प्रशंसा कर रहे हैं। नगरवासियों का यह भी कहना है कि विकास केवल कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका असर अब जमीन पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है। गलियों से लेकर मुख्य बाजारों तक सुधार कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। शहर की सुंदरता, स्वच्छता और आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में नगर पालिका परिषद द्वारा निरंतर कार्य जारी है। संभल की जनता को अब उम्मीद दिखाई देने लगी है कि आने वाले वर्षों में उनका शहर आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक सुंदर और व्यवस्थित नगर के रूप में नई पहचान बनाएगा।

उद्योग व्यापार प्रतिनिधि कलेक्ट्रेट सिटी मजिस्ट्रेट को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप सोनी ने दिया ज्ञापन

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर/ उत्तर प्रदेश/ व्यापारी साथी व पदाधिकारी ने नगर पालिका के खिलाफ नारे लगाए और एक ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट शालिक राम जी को सोपा इस पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रवाल सोनी ने कहा की समस्याओं व व्यापार वृद्धि आर्थिक विकास व प्रगति व शहर के रोजगार के विकास के संबंध में व्यापार मंडल द्वारा लगातार अनुरोध कर पूर्ण सहमति के साथ अवगत करा चुका है लेकिन नगर पालिका परिषद रामपुर लापरवाही व गंभीरपूर्वक जनता व व्यापारी समाज की समस्या को अनदेखी कर समस्याओं का समाधान नहीं करा पा रही है जिससे शहर का विकास रुक रहा है जिसमें मुख्य 24 करोड़ 96 लाख की लागत से तैयार बापू माल जो की 13 वर्ष से तैयार कंप्लीट है उसे नगर पालिका द्वारा गंभीरता पूर्वक शुरू कराया नहीं गया है ताकि शहर का विकास ठप हो रहा है हाउस टैक्स व वॉटर टैक्स को 50 गुना बढ़ाकर आम जनता व्यापारी समाज को भारी तादाद में नोटिस बांट दिए गए हैं जो के नियम अनुसार उचित नहीं है इस पर 50 गुना की रोक लगाया जाना जरूरी है हामिद स्कूल के सामने बना डिवाइडर बहुत ही छोटी और पतली सड़क पर मनमाने तरीके से नियम विरुद्ध लगा दिया गया है जिससे जाम की समस्या व दुर्घटना होकर जनता के चोट लग रही हैं इसको भी हटाया जाना आवश्यक है रामपुर की जनता का व्यापारी समाज हित में विकास प्रगति और बेरोजगारी दूर करने व मजबूत करने हेतु इन समस्याओं का समाधान होना भी अत्यंत आवश्यक है इस अवसर पर ,युवा नगर सचिव यश शर्मा जिला अध्यक्ष अरविंद गुप्ता, नगर अध्यक्ष महफूज हुसैन ,प्रदेश मंत्री पप्पू खान, मंडल अध्यक्ष अब्दुल बासिक , संरक्षक शाहिद मामू, दिलशाद हुसैन बाबू का टायर वाले जिला उपाध्यक्ष, एवं प्रदेश संगठन मंत्री फहीम अहमद, दिलशाद हुसैन ,पप्पू एमपी ,नूर मोहम्मद ,गोपाल शर्मा ,राजू सुमन , अलीम खान ,नजाकत अली, फैसल अली ,विष्णु सैनी ,प्रवीण गुर्जर हरिओम सैनीआदि सैकड़ो की संख्या में व्यापारी साथी पदाधिकारी मौजूद रहे

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन

लोकतंत्र की शान

वाराणसी : "सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, अटूट आस्था की गौरव गाथा" के अवसर पर "सोमनाथ संकल्प महोत्सव" कार्यक्रम में शामिल होने के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार सुबह काशी पहुंचे। उन्होंने यहां काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। सोमनाथ तथा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के अर्चकों ने एक साथ पूजन-अर्चन संपन्न कराया।

सोमनाथ से आए जल से किया काशी विश्वनाथ का जलाभिषेक-राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने सोमनाथ से आए जल से काशी विश्वनाथ का जलाभिषेक किया और बाबा के दरबार में माथा टेक कर लोकमंगल व प्रदेशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में राज्यपाल को अंगवस्त्र व रुद्राक्ष की माला भेंट की। मंदिर प्रांगण में पीत वस्त्र धारण किए मंदिर के शास्त्रीगण, बालिकाओं/ महिलाओं ने शंख ध्वनि तथा वाद्य यंत्र कलाकारों ने डमरू आदि के जरिए राज्यपाल व मुख्यमंत्री का स्वागत किया। राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने हर हर महादेव की जयकार संग हाथ जोड़कर श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया। मुख्यमंत्री ने इससे पहले छह मई को भी काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन किया था। इस दौरान प्रदेश सरकार के मंत्री अनिल राजभर, दयाशंकर मिश्र 'दयालु', हंसराज विश्वकर्मा, महापौर अशोक तिवारी, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, नीलकंठ तिवारी, अवधेश सिंह, त्रिभुवन राम, सुनील पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य आदि की उपस्थिति रही।

राज्यपाल-मुख्यमंत्री ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन-राज्यपाल आनंदी बेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर प्रांगण में सामूहिक "ॐ जप" किया। इसके बाद सोमनाथ भवन में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की प्रतिकृति के रूप में निर्मित पार्थिव शिवलिंग की पूजा-अर्चना व आरती की। अतिथियों ने यहां सोमनाथ स्वाभिमान पर्व प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

बरेली में स्वास्थ्य व्यवस्था पर फिर उठे सवालः बिजली के तार से झुलसे युवक को समय पर नहीं मिला इलाज, जिला अस्पताल का वीडियो वायरल

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) बरेली के जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बुजुर्ग दंपत्ति के इलाज में लापरवाही का वीडियो वायरल होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली में सुधार नहीं दिखाई दे रहा। अब एक और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें बिजली के तार से झुलसा एक युवक जिला अस्पताल की इमरजेंसी के बरामदे में तड़पता नजर आ रहा है, जबकि स्वास्थ्य कर्मी मूकदर्शक बने दिखाई दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार, युवक रेलवे यार्ड क्षेत्र में गंभीर हालत में पड़ा मिला था। बताया जा रहा है कि वह बिजली के तार की चपेट में आने से बुरी तरह झुलस गया था। मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने युवक की हालत गंभीर देखते हुए बिना समय गंवाए उसे टेम्पू के माध्यम से जिला अस्पताल पहुंचाया। लेकिन अस्पताल पहुंचने के बाद भी युवक को तत्काल उपचार नहीं मिल सका। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक करीब आधे घंटे तक इमरजेंसी वार्ड और बरामदे के आसपास तड़पता रहा। इस दौरान न तो उसे तुरंत स्ट्रेचर उपलब्ध कराया गया और न ही प्राथमिक उपचार समय पर शुरू किया गया। वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि युवक अस्पताल के बरामदे में पड़ा हुआ है, जबकि आसपास मौजूद कुछ स्वास्थ्य कर्मी और कर्मचारी केवल आते-जाते नजर आ रहे हैं। स्थानीय लोगों और मरीजों के तीमारदारों का आरोप है कि जिला अस्पताल की इमरजेंसी सेवाएं लगातार बदहाल होती जा रही हैं। गंभीर मरीजों को भी समय पर इलाज नहीं मिल रहा, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि कुछ दिन पहले वायरल हुए बुजुर्ग दंपत्ति के वीडियो के बाद उम्मीद थी कि स्वास्थ्य विभाग व्यवस्थाओं में सुधार करेगा, लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं। वायरल वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर जिला अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि अगर इमरजेंसी में पहुंचे गंभीर मरीज को भी तत्काल चिकित्सा सुविधा नहीं मिलेगी, तो आम जनता आखिर किस पर भरोसा करे। सूत्रों के मुताबिक, अस्पताल प्रशासन की ओर से मामले की जानकारी जुटाई जा रही है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक किसी जिम्मेदार अधिकारी का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था। वहीं, स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली को लेकर आम नागरिकों में नाराजगी लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है। यह घटना एक बार फिर सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत को उजागर करती नजर आ रही है, जहां संसाधनों और व्यवस्थाओं के दावों के बीच मरीज समय पर उपचार के लिए भटकने को मजबूर हैं।

सीआईआई समिट में योगी मॉडल की सराहना

ब यूपी को पूरी तरह अलग नजरिए से देख रहा हैः सीआईआई अध्यक्ष

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट-2026 में उद्योग जगत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और उत्तर प्रदेश में हुए बदलावों की जमकर सराहना की। देशभर से आए उद्योगपतियों, निवेशकों और कॉरपोरेट प्रतिनिधियों ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने कानून व्यवस्था, निवेश, आधारभूत संरचना और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने मुख्यमंत्री योगी का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले कुछ वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति में अभूतपूर्व योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में आधारभूत संरचना का तेजी से विकास हुआ है तथा निवेश और व्यापार को नई गति मिली है। बनर्जी ने कहा कि विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल गवर्नेंस, नगरीय विकास और युवाओं के सशक्तीकरण ने उत्तर प्रदेश को नई दिशा दी है। सीआईआई अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में "फिनोमिनल ट्रांसफॉर्मेशन" देखने को मिला है और उद्योग जगत अब यूपी को पूरी तरह अलग नजरिए से देख रहा है। मेमानी ने सीएम से कहा कि अब देश और विदेश के उद्योगपति उत्तर प्रदेश में निवेश करना चाहते हैं और आपके आशीर्वाद व मार्गदर्शन से हम इस रास्ते को और मजबूत करेंगे। राजीव मेमानी ने योगी सरकार की कानून व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यशैली की भी सराहना की।

नेहरू मेमोरियल इंटर कॉलेज की प्रबंध समिति का चुनाव हुआ संपन्न

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी

हसनपुर/ढवारसी: हसनपुर तहसील क्षेत्र के गांव ढवारसी स्थित नेहरू मोरियल इंटर कॉलेज की प्रबंध समिति का चुनाव सोमवार को चुनाव अधिकारी रविशंकर शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुई,जिस्म अध्यक्ष पद पर दिनेश त्यागी और प्रबंधक पद पर किशनपाल सिंह विजयी घोषित हुए। अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में दिनेश त्यागी को 16 तथा पुनीत त्यागी को 14 मत मिले। वहीं प्रबंधक पद पर किशनपाल सिंह ने 18 मत प्राप्त कर राकेश त्यागी को पराजित किया। कुल 31 में से 30 मत पड़े। चुनाव अधिकारी रविशंकर शर्मा ने परिणाम घोषित किए। अन्य पदों पर राजीव गोयल, अमित कुमार, कुलदीप अहलावत, दीपक गोयल, केसर परवेज, राजाराम सिंह, सतपाल सिंह, छवि त्यागी, मुनेश चंद तथा शिवेश अग्रवाल आदि निर्विरोध चुने गए।

सिरसी कप फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का शानदार आगाज़

उद्घाटन मुकाबले में मुरादाबाद ने नगीना को 1-0 से हराया

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी। नगर पंचायत सिरसी स्थित जवाहर लाल मेमोरियल इंटर कॉलेज ग्राउंड में आयोजित "सिरसी कप फुटबॉल टूर्नामेंट 2026" का रविवार को भव्य शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में मुरादाबाद और नगीना की टीमों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया। दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया, लेकिन अंततः मुरादाबाद की टीम ने 1-0 से जीत दर्ज कर उद्घाटन मुकाबला अपने नाम कर लिया। टूर्नामेंट का उद्घाटन नगर पंचायत सिरसी के चेयरमैन कौसर अब्बास ने फीता काटकर एवं खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कौसर अब्बास ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, एकता, भाईचारे और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं और युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों एवं आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देने तथा युवाओं के हित में हर संभव सहयोग किया जाएगा। उद्घाटन समारोह के दौरान मैदान में खेल प्रेमियों और स्थानीय नागरिकों की भारी भीड़ मौजूद रही, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर हबीब रज़ा सभासद, खुर्शीद अहमद सभासद, अजीम कुरैशी सभासदपति, आदित्यवीर रस्तोगी सभासद, मीसम अब्बास सभासदपति, आशिक अब्बास सभासद, कयामुद्दीन सभासद, फरहत अब्बास सभासद, कमर अब्बास पप्पू, कमर ठेकेदार, दानिश ग़दीरी, शाकिब शावेज़ सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। टूर्नामेंट के सफल आयोजन को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजकों ने बताया कि आगामी दिनों में भी कई रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे, जिनमें विभिन्न टीमें हिस्सा लेंगी।

संक्षिप्त समाचार

जमीन विवाद पर 2 पक्षों में मारपीट, लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला, 3 घायल

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर थाना क्षेत्र के नावानगर गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई। 11 मई सुबह 9 बजे हुई इस घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए। घायलों में वास्कीत राय, उनकी पत्नी रंजू देवी और पुत्र राहुल कुमार शामिल हैं। आरोप है कि पड़ोसी पंकज राय, पवन कुमार, रोहित कुमार और चान्सी राय ने बाहरी लोगों को बुलाकर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला किया। वास्कीत राय के अनुसार, यह विवाद उनकी खरीदी हुई जमीन से संबंधित है, जिस पर एक सरकारी खाद्य की दुकान है। जमीन का खाता संख्या 126 और खेसरा संख्या 440 है। इस मामले को लेकर न्यायालय में एक मुकदमा भी चल रहा है। आरोप है कि आरोपियों ने न्यायालय के आदेश का उल्लंघन करते हुए जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया। बीच-बचाव करने आईं वास्कीत राय की पत्नी रंजू देवी और पुत्र राहुल कुमार को भी लाठी-डंडों से मारकर घायल कर दिया गया। मारपीट के दौरान आरोपियों ने रंजू देवी के गले से सोने का जिउतिया भी छीन लिया। आसपास के लोगों के इकट्ठा होने पर हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल वास्कीत राय ने बताया कि आरोपी पंकज राय ने उन्हें पुलिस में शिकायत करने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पंकज राय ने अगली बार उनके बेटे को भी मारने की धमकी दी। बताया गया है कि पंकज राय एसएसबी में कार्यरत हैं। इस संबंध में बिदुपुर थाना अध्यक्ष रवि प्रकाश ने बताया कि यह जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट का मामला है। दोनों पक्षों की ओर से थाने में आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनकी जांच पड़ताल की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि यह मामला दो पट्टीदारों के बीच का है, जिन्होंने पूर्व में पंचायत के माध्यम से रुपए के लेनदेन कर समझौता कर लिया था। थाना अध्यक्ष के अनुसार, दोनों पक्षों के लड़कों ने विवाद को फिर से बढ़ा दिया है। आवेदनों की जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

हाजीपुर की कंपनी में चोरी, वारदात सीसीटीवी में कैद, पुलिस फुटेज के आधार पर जांच में जुटी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। हाजीपुर के औद्योगिक थाना क्षेत्र के रामपुर नौसहन स्थित ओम शांति इंटरप्राइजेज में चोरी की घटना सामने आई है। यह वारदात कंपनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सामने आया है। सीसीटीवी फुटेज में तीन चोर दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में दो चोर दीवार पर खड़े नजर आते हैं, जबकि एक चोर दीवार से नीचे उतरकर एक फ्रिज उठाता है। वह फ्रिज को बाउंड्री पर खड़े अपने साथी को पकड़ा देता है। इसके बाद चोर आम के पेड़ के सहारे मौके से फरार हो गए। कंपनी के मालिक कृष्ण कुमार शर्मा ने रविवार शाम करीब 6 बजे मीडिया को बताया कि यह घटना शनिवार सुबह लगभग 1 बजे की है। जब वह कंपनी पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि फ्रिज गायब है। इसके बाद उन्होंने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज की जांच की। मामले को लेकर औद्योगिक थाने में एक आवेदन भी दिया गया है। औद्योगिक थाना अध्यक्ष अरविंद पासवान ने जानकारी दी कि मामले की जांच की जा रही है।

प्लम्बर हत्याकांड का 24 घंटे में खुलासा, आपसी रंजिश में हुई हत्या, मुख्य आरोपी समेत 2 अरेस्ट, पिस्टल बरामद

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने प्लम्बर ऋषि हत्याकांड का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। इस मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया पिस्टल भी बरामद कर लिया है। यह घटना सदर थाना क्षेत्र के दामोदरपुर स्थित एक बगीचे में हुई थी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) विक्रम सिहाग ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मुख्य अभियुक्त प्रियांशु शामिल है। प्रियांशु और मृतक ऋषि के बीच पहले से जान-पहचान थी। कुछ दिन पहले दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद का बदला लेने के लिए प्रियांशु ने अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर ऋषि को दामोदरपुर स्थित एक बगीचे में बुलाया। वहां प्रियांशु ने ऋषि को गोली मारकर हत्या कर दी। एसपी सिहाग ने यह भी बताया कि प्रियांशु को पिस्टल उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति की पहचान कर ली गई है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

बाल आश्रय गृह से 10 बच्चे लापता, निरीक्षण के लिए पहुंचे थे एसडीओ, तलाश में जुटी पुलिस

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के नरौली बाल आश्रय गृह से 10 बच्चे लापता हैं। एसडीओ (पूर्वी) तुषार कुमार, स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मामले की छानबीन में जुट गई है। मुजफ्फरपुर के अनुमंडल पदाधिकारी (पूर्वी) तुषार कुमार ने बाल आश्रय गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पता चला बच्चे गायब हैं। बताया जा रहा है कि 10 बच्चे आश्रय गृह की दीवार फांदकर या किसी अन्य रास्ते से भागे। प्रशासन की कार्यशैली और आश्रय गृह की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आश्रय गृह के अधीक्षक ने स्थानीय मुसहरी थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। मामला मुसहरी थाना क्षेत्र का है। बाल आश्रय गृह के पास एसडीओ पूर्वी के साथ-साथ मुसहरी थाना पुलिस कैंप कर रही है। आश्रय गृह में मौजूद अन्य बच्चों और वहां तैनात कर्मियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि बच्चे किस समय और कैसे फरार हुए। पुलिस जांच कर रही है कि क्या घटना के पीछे किसी बाहरी गिरोह का हाथ है या फिर प्रबंधन की लापरवाही के कारण बच्चे खुद भाग निकले। मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने कहा कि बच्चों के गायब होने की सूचना मिली है। खोजबीन के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित कर दी गई है। आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही सभी बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया जाएगा।

लव-मैरिज पर परिवार ने जिंदा बेटी का किया अंतिम संस्कार

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में एक परिवार ने अपनी जिंदा बेटी को मृत मानकर उसका अंतिम संस्कार किया। इसके लिए युवती का पुतला बनाया गया, अर्थी सजाई गई। चार लोगों ने कंधा देकर अर्थी को श्मशान घाट पहुंचाया, जहां पूरे हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार किया गया। मामला जिले के मड़वन प्रखंड के जियन खुर्द गांव का है। दरअसल, गांव की युवती ने लव मैरिज की है। जिसके बाद पंचायत ने परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया। दबाव में परिवार ने बेटी को मृत मानकर उसका प्रतीकात्मक दाह संस्कार कर दिया। मामला रविवार का है। करीब एक महीने पहले युवती (20) अपने प्रेमी के साथ घर से फरार हो गई थी। मामले में परिजनों ने करजा थाने में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पिता ने थाने में दिए आवेदन में घर से अगवा करने का आरोप लगाया था। आवेदन में कहा गया, लड़की घर के दरवाजे पर खड़ी थी, तभी बाइक पर लड़का एक अन्य व्यक्ति के साथ आया और मुंह दबाकर लड़की को उठा ले गया। हमने खदेड़ कर इन्हें पकड़ने की कोशिश भी की थी, लेकिन ये फरार हो गए। वहीं आरोपी के घर जाकर जब बेटी को वापस करने को कहा तो पूरे परिवार ने हमारे साथ गाली-गलौज की। धमकाते हुए कहा, लड़की को वापस नहीं करेंगे, जो करना है कर लो। बाद में पुलिस ने युवती को बरामद कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में युवती ने खुद को बालिग बताते हुए युवक से शादी करने की बात कही और उसके साथ रहने की इच्छा जताई। युवती ने यह भी आरोप लगाया कि उसके परिजन युवक के परिवार पर दबाव बना रहे हैं। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने युवती को उसकी इच्छानुसार उसके ससुराल भेज दिया गया। युवती के इस फैसले से का एक वर्ग नाराज हो गया। उन्होंने परिवार का 'सामाजिक बहिष्कार' कर दिया। पंचायत स्तर पर कथित तौर पर यह नियम बना दिया गया कि गांव का कोई व्यक्ति उस परिवार से मेल-जोल, खान-पान या सामाजिक संबंध नहीं रखेगा। इतना ही नहीं, जो भी व्यक्ति उस परिवार से संबंध रखेगा, उसके खिलाफ भी सामाजिक कार्रवाई की चेतावनी दी गई। समाज में दोबारा शामिल होने के लिए पंचायत ने एक शर्त रखी कि अगर परिवार अपनी बेटी को हमेशा के लिए मृत मानकर उसका अंतिम संस्कार कर देता है, तभी उन्हें वापस समाज का हिस्सा माना जाएगा।

सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए सहरसा में वाहन चालकों का विशेष प्रशिक्षण शुरू

लोकतंत्र की शान

सहरसा |मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला परिवहन कार्यालय, सहरसा द्वारा सरकारी एवं निजी वाहन चालकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री सात निश्चय-3 के अंतर्गत "सबका सम्मान, जीवन आसान" पहल के तहत चलाया जा रहा है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वाहन चालकों को यातायात नियमों, सुरक्षित ड्राइविंग और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना है, ताकि दुर्घटनाओं और मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। यह प्रशिक्षण पूरी तरह व्यावहारिक और नियम आधारित होगा, जिसकी अवधि 1 घंटा 30 मिनट निर्धारित की गई है। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा। साथ ही निजी वाहन चालकों को प्रोत्साहन के रूप में 200 की राशि उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी और प्रशिक्षण के दौरान अल्पाहार की भी व्यवस्था की जाएगी। जिला प्रशासन के अनुसार, सरकारी

वाहन चालकों का प्रशिक्षण प्रत्येक रविवार को आयोजित होगा और उनकी उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। अनुपस्थित रहने पर संबंधित चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं निजी वाहन चालकों के लिए प्रशिक्षण हर शनिवार को आयोजित किया जाएगा। निजी चालकों के लिए प्रथम चरण का प्रशिक्षण 12 मई और 16 मई 2026 को जिला समाहरणालय, सहरसा के नए सभागार में आयोजित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण मार्च 2027 तक प्रत्येक माह नियमित रूप से चलता रहेगा। इस कार्यक्रम के नोडल पदाधिकारी अपर जिला परिवहन पदाधिकारी श्री जीशान अहमद होंगे। साथ ही मोटर वाहन निरीक्षक, प्रवर्तन अवर निरीक्षक और चलंत दस्ता सिपाहियों को इसके सफल संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। जिला परिवहन पदाधिकारी श्री सुजीत कुमार बरनवाल ने सभी चालकों से अपील की है कि वे इस प्रशिक्षण में भाग लेकर यातायात नियमों की जानकारी प्राप्त करें और जिम्मेदार चालक बनें। इच्छुक चालक जिला परिवहन कार्यालय, सहरसा में पंजीकरण करा सकते हैं, जिसके लिए बैंक खाता विवरण, आधार संख्या और वैध ड्राइविंग लाइसेंस आवश्यक होगा।

सहरसा में घरेलू एलपीजी गैस की पर्याप्त उपलब्धता, घबराने की जरूरत नहीं: जिला प्रशासन

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: सहरसा जिले में घरेलू एलपीजी गैस की उपलब्धता और आपूर्ति को लेकर जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। प्रशासन के अनुसार जिले में गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारु रूप से संचालित हो रही है। जारी आंकड़ों के अनुसार, जिले में कुल 14,127 भरे हुए गैस सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है, जबकि प्रतिदिन लगभग 5,065 सिलेंडरों की आपूर्ति की क्षमता है। विभिन्न गैस कंपनियों में इंडेन के पास 6,308, एचपी गैस के पास 5,832 और भारत गैस के पास 1,987 सिलेंडरों का स्टॉक मौजूद है। वहीं लंबित बुकिंग की संख्या 20,718 बताई गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपलब्ध स्टॉक मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, इसलिए उपभोक्ताओं को घबराने या पैनिक बुकिंग करने की कोई आवश्यकता नहीं है। सभी गैस एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे 'होम डिलीवरी' के माध्यम से ही सिलेंडरों की आपूर्ति सुनिश्चित करें, ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रशासन ने यह भी बताया कि प्रतिदिन औसतन 4,300 से अधिक सिलेंडरों की डिलीवरी की जा रही है और लंबित बुकिंग का निपटारा प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अफवाहों या कालाबाजारी पर ध्यान न दें। यदि कोई वितरक तय समय सीमा में डिलीवरी नहीं करता या अतिरिक्त शुल्क की मांग करता है, तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी या जिला आपूर्ति कार्यालय को दें।

डॉ0 सी0 वी0 रमण विश्वविद्यालय, वैशाली (बिहार) द्वारा सत्र 2026 हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

लोकतंत्र की शान

डॉ० सी० वी० रमण विश्वविद्यालय, वैशाली द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इच्छुक छात्र-छात्राएँ विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.cvrubihar.ac.in पर जाकर अथवा विश्वविद्यालय परिसर में आकर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय में डिप्लोमा इंजीनियरिंग, बी.टेक, बी.एससी. एग्रीकल्चर, बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी.एससी. (एआई एवं एमएल) और बी.एससी. डाटा साइंस, वाणिज्य एवं प्रबंधन, कला एवं मानविकी, कंप्यूटर साइंस एवं आईटी, विज्ञान सहित विभिन्न रोजगारोन्मुखी एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

साथ ही कुछ विषयों में पीएच.डी. कार्यक्रमों की सुविधा भी उपलब्ध है।

विश्वविद्यालय यूजीसी अधिनियम की धारा 2(एफ) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त है तथा इंजीनियरिंग, डिप्लोमा, बी.बी.ए. एवं बी.सी.ए. पाठ्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) द्वारा अनुमोदित हैं। विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) का सदस्य भी है। विश्वविद्यालय के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, डिप्लोमा इंजीनियरिंग, बी.एससी. एग्रीकल्चर, बी.बी.ए., बी.सी.ए. एवं बी.एससी. (एआई एवं एमएल) और डाटा साइंस में प्रवेश, प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाएगा। आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई 2026 निर्धारित की गई है, जबकि प्रवेश परीक्षा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मोड में 30 मई 2026 को आयोजित होगी। अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रत्यक्ष रूप से प्रदान किया जाएगा। छात्रों को केंद्र सरकार एवं बिहार सरकार की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाता है। इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को "Buddy4Study" जैसी छात्रवृत्ति योजनाओं के माध्यम से भी सहायता प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी 5% विद्यार्थियों की ट्यूशन फीस पूर्णतः माफ की जाती है। साथ ही बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की सुविधा भी उपलब्ध है। विश्वविद्यालय नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) आधारित चार वर्षीय बी.ए. ऑनर्स, बी.एससी. ऑनर्स, बी.कॉम ऑनर्स एवं बी.कॉम-सीए जैसे पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। विद्यार्थियों को उद्योगों से जोड़ने हेतु अप्रेंटिसशिप, पेड इंटर्नशिप, नवाचार एवं स्टार्टअप गतिविधियों के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा रोजगारोन्मुखी सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण एवं लगभग 20 लाख रुपये प्रति वर्ष तक के प्लेसमेंट अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। हाल ही में विश्वविद्यालय को इंडिया हायर एजुकेशन रैंकिंग्स अवॉर्ड्स 2026–27 में बिहार की 'नं. 1 प्राइवेट मल्टीडिसिप्लिनरी यूनिवर्सिटी' एवं 'नं. 1 प्राइवेट इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट' के सम्मान से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त वैशाली का गौरव सम्मान 2025 से भी विश्वविद्यालय को सम्मानित किया जा चुका है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ० ब्रिजेश सिंह ने कहा, "डॉ० सी० वी० रमण विश्वविद्यालय बिहार में कौशल आधारित एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने वाला अग्रणी संस्थान है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक, रोजगारोन्मुखी एवं भविष्योन्मुख शिक्षा प्रदान कर उन्हें राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर सक्षम बनाना है।"

बिहार के 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार के 19 जिलों के लिए आज मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में मेघ गर्जन के साथ 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। साथ ही आकाशीय बिजली भी गिर सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार ऐसी स्थिति 15 मई तक बिहार के कई हिस्सों में बनी रह सकती है। हालांकि कई हिस्सों में अगले दो-तीन दिनों में चार डिग्री सेल्सियस तक तापमान बढ़ेगा, उसके बाद गिरावट आएगी।

मौसम विभाग के पटना केंद्र के अनुसार 11 से 15 मई तक उत्तर, उत्तर-पूर्व और दक्षिण बिहार में बारिश और आंधी की आशंका है। इसके बाद मौसम में धीरे-धीरे बदलाव देखने को मिलेगा। इसके बाद गर्मी फिर से बढ़ सकती है। लोगों को खराब मौसम में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी हवा, 15 मई तक ऐसा ही रहेगा मौसम

पटना के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती: राजधानी पटना में आज आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। कुछ इलाकों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। मौसम विभाग ने पटना में तेज हवा चलने की भी संभावना जताई है। अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

पेड़ से लटका मिला अधेड़ का शव, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई, 3 लोग हिरासत में

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र के कटेसर गांव में एक अधेड़ व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 64 वर्षीय शिव साव के रूप में हुई है, जो गांव के ही निवासी थे। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह परिवार के लोगों ने शिव साव का शव घर से करीब 50 मीटर दूरी पर एक पेड़ से लटका देखा। इसके बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही बिहटा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। घटनास्थल पर एफएसएल (FSL) टीम को भी बुलाया गया है। फिलहाल मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है।

रात में भाइयों से हुआ था विवाद: परिजनों के मुताबिक, रविवार रात शिव साव का अपने भाइयों के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान मारपीट भी हुई थी। सुबह में लोगों ने उसका शव घर से 50 मीटर दूरी पर पेड़ से टंगा देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। परिजनों का आरोप है कि विवाद के बाद उनकी हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया गया। उन्होंने शिव साव के भाइयों और अन्य रिश्तेदारों पर हत्या का शक जताया है।

पाटीदार और गोतीया पर हत्या का आरोप: मृतक के पुत्र रवि कुमार ने बताया कि, 'सुबह लगभग 3:00 के आसपास हमें जानकारी मिली कि मेरे पिताजी शिव साव के साथ मारपीट कर उनके शव को नींबू के पेड़ से टांग दिया है। जिसके बाद हम लोग वहां पहुंचे तो देखा कि उनकी मौत हो चुकी है। फिर पुलिस को सूचना दी गई। मेरे पाटीदार और गोतीया लोग ही मारपीट कर हत्या कर दिया है।'

तीन लोग हिरासत में : मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में

एफएसएल रिपोर्ट का इंतजार

लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। अधेड़ व्यक्ति के साथ पहले मारपीट किया गया था। उसके सर में चोट भी लगा था। संभावना है कि पहले मारपीट करके उसकी हत्या कर शव को पेड़ से टांगा गया है ।' उन्होंने कहा कि, 'पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि मामला हत्या का है या आत्महत्या का।' फिलहाल, मृतक के परिजनों के बयान पर तीन लोगों हिरासत में लिया गया है, जिनसे पूछताछ किया जा रहा है।

पटना में खराब सड़क को लेकर भड़के ऑटो चालक, खुसरूपुर में बीच रोड खड़ी किया ऑटो

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना जिले के खुसरूपुर में जर्जर सड़क और प्रशासनिक उदासीनता को लेकर ऑटो चालकों का गुस्सा फूट पड़ा। स्टेट हाईवे से रेलवे गुमटी तक जाने वाले मेन रोड बेहद खराब है। इससे नाराज चालकों ने बीच सड़क पर ऑटो खड़ी कर जाम लगा दिया। कई घंटों तक चले प्रदर्शन के कारण इलाके में आवाजाही पूरी तरह बाधित रहा।

हादसे की वजह बन रहे सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे - ऑटो चालक: प्रदर्शन कर रहे ऑटो चालक अजय कुमार और गोलू ने बताया कि सड़क पिछले 12 वर्षों से जर्जर हालत में है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और उनमें जमा गंदा पानी हादसों को न्योता दे रहा है। उनका कहना है कि जलजमाव के कारण

गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे आए दिन ऑटो और ई-रिक्शा पलट रहे हैं। चालकों ने आरोप लगाया कि खराब सड़क के कारण वाहनों को नुकसान हो रहा है और यात्री भी घायल हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि कई बार शिकायत के बावजूद अब तक सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई।

जनप्रतिनिधियों पर भी नाराजगी: ग्रामीण कार्य विभाग के अंतर्गत आने वाली इस सड़क को लेकर स्थानीय लोगों में भी भारी नाराजगी है। स्थानीय निवासी राहुल कुमार ने बताया कि, 'सांसद और क्षेत्रीय विधायक को कई बार समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन स्थिति जस की तस बनी

स्टेट हाईवे से रेलवे गुमटी तक आवाजाही ठप

हुई है।' ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के दौरान बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर आज भी लोग कीचड़ और जलजमाव वाली सड़कों पर चलने को मजबूर हैं।

स्कूली बच्चों और मरीजों को हुई परेशानी: सड़क जाम और ई-रिक्शा परिचालन ठप रहने से स्कूली बच्चों, मरीजों और दफ्तर जाने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोग घंटों जाम में फंसे रहे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक सड़क निर्माण को लेकर कोई ठोस आश्वासन या काम शुरू नहीं होता, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

पटना के मरीन ड्राइव से गंगा नदी में लुढ़की कार

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना के दीघा थाना क्षेत्र स्थित पाटीपुल घाट पर रविवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। घाट पर धोने के लिए खड़ी की गई एक कार अचानक लुढ़ककर गंगा नदी में समा गई। घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। जानकारी के अनुसार, वाहन मालिक सुबह-सुबह अपनी स्कॉर्पियो लेकर घाट पर पहुंचा था। वह घाट पर गाड़ी खड़ी करके साफ करने के लिए पानी डाल रहा था। इसी दौरान फिसलन की वजह से वाहन धीरे-धीरे घाट की ओर खिसकने लगा। मालिक ने अपने स्तर से गाड़ी को रोकने की काफी कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। फिसलन के चलते कार गंगा नदी में लुढकती चली गई और देखते ही देखते गंगा

नदी में डूब गई।

गनीमत रही कि हादसे के समय गाड़ी के अंदर कोई मौजूद नहीं था, जिससे किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इस हादसे की बात घाट पर काफी भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों ने गाड़ी को निकालने के लिए अलग-अलग तरकीब लगना शुरू किया, लेकिन गाड़ी नहीं निकल पाई। सूचना मिलने पर दीघा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित किया। घाट किनारे मौजूद लोगों को सुरक्षित दूरी पर हटाया गया।

संक्षिप्त समाचार

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर नाबालिग को बिहार ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

सीधी पुलिस ने बालिका को सकुशल कराया दस्तयाब

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार गुमशुदा बच्चों की बरामदगी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत, पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में जमोड़ी पुलिस ने एक बड़ी सफलता अर्जित की है। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों का उपयोग करते हुए सारण बिहार से एक नाबालिग बालिका को सुरक्षित बरामद कर अपहरणकर्ता आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना जमोड़ी क्षेत्र के अंतर्गत माह अप्रैल 2026 में एक नाबालिग बालिका के अचानक लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अज्ञात के विरुद्ध अपहरण का प्रकरण पंजीबद्ध कर तलाश शुरू की। विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों एवं साइबर सेल की मदद से यह तथ्य प्रकाश में आया कि बालिका की इंस्टाग्राम के माध्यम से एक युवक से दोस्ती हुई थी। आरोपी युवक ने बालिका को अपने जाल में फंसाया और उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ बिहार ले गया था। थाना प्रभारी जमोड़ी के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने साइबर सेल से प्राप्त लोकेशन के आधार पर तत्काल बिहार के सारण जिले में दबिश दी। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए बालिका को आरोपी के चंगुल से सुरक्षित दस्तयाब किया और आरोपी को हिरासत में लिया। बालिका को वापस सीधी लाकर उसकी विधिवत काउंसलिंग कराई गई, जिसके बाद उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। आरोपी युवक के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। इस जटिल ऑपरेशन और बालिका की सुरक्षित दस्तयाबी में थाना प्रभारी जमोड़ी उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी, उप निरीक्षक वर्षा यादव, सउनि आरडी साकेत, आरक्षक अभिषेक, महिला आरक्षक सविता तथा साइबर सेल सीधी से प्रदीप मिश्रा एवं कृष्ण मुरारी द्विवेदी की मुख्य एवं सराहनीय भूमिका रही।

पीडीए की ताकत 2027 में इतिहास रचेगी जनता बदलाव चाहती है : शुभलेश यादव

सपा की संयुक्त बैठक में बूथ मजबूती, जनसंपर्क और जनजागरण अभियान पर चर्चा

लोकतंत्र की शान ,(बरेली संदीप चंद्रा उत्तर प्रदेश) बरेली। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर पार्टी के जिला पंचायत सदस्यों, ब्लॉक प्रमुखों और नगर चेयरमैनों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों, पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूत करने, बूथ प्रबंधन को धार देने तथा पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) समाज को जोड़ने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ गांव-गांव जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव ने की, जबकि संचालन नि. जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि, जिला पंचायत सदस्य, ब्लॉक प्रमुख और पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता आज महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सरकारी उपेक्षा से परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनहित के मुद्दों पर पूरी तरह विफल साबित हुई है और अब जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का हर जनप्रतिनिधि गांव-गांव जाकर जनता की आवाज बनेगा और सरकार की नीतियों का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का चुनाव नहीं होगा, बल्कि यह सामाजिक न्याय, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाने की लड़ाई भी होगी। शुभलेश यादव ने दावा किया कि पीडीए समाज की एकजुट ताकत आने वाले चुनाव में इतिहास रचेगी और प्रदेश में समाजवादी विचारधारा को मजबूत जनसमर्थन मिलेगा। बैठक में पंचायत प्रतिनिधियों से बूथ स्तर तक मजबूत संगठनात्मक टीम तैयार करने का आह्वान किया गया। नेताओं ने कहा कि गांवों में लगातार जनसंपर्क अभियान चलाया जाए, आम जनता की समस्याओं को सुना जाए और उनके समाधान के लिए संघर्ष तेज किया जाए। पार्टी कार्यकर्ताओं से युवाओं, किसानों, मजदूरों और वंचित वर्गों के बीच सक्रियता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख जगमोहन यादव, चेयरमैन शराफत जरीवाला, अमित राज यादव, जिला पंचायत सदस्य तेजपाल गंगवार, अरविंद यादव, सतेंद्र सविता, नवाबउद्दीन, डॉ. ब्रह्मस्वरूप सागर, इंद्रपाल सागर, राम बहादुर लोधी, शाहनवाज बेग और राजवीर यादव सहित अन्य जिला पंचायत सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रांसफर को लेकर शिक्षा विभाग और सरकार गम्भीर नहीं : कृष्ण कुमार निर्माण

लोकतंत्र की शान

करनाल(राजेंद्र करनाल की रिपोर्ट): शिक्षकों की ऑनलाइन ट्रांसफर को लेकर प्रदेश की सरकार,शिक्षा मंत्री और शिक्षा विभाग,हरियाणा कतई गम्भीर नहीं है,परिणामस्वरूप अध्यापकों की कमी के कारण छात्र संख्या घट रही है।उपरोक्त सीधा-सीधा आरोप शिक्षक तबादला करवाओ संघर्ष समिति के राज्य प्रधान कृष्ण कुमार निर्माण,राज्य प्रेस सचिव ऋषिराज नरवाल,महिला विंग राज्य प्रधान जसबीर कौर व राज्य सचिव पवन कुमार वर्मा ने लगाते हुए कहा कि यदि सरकार,शिक्षा मंत्री और शिक्षा विभाग की सच्ची-साफ नियत और इच्छा शक्ति होती तो अब तक ट्रांसफर हो जाते पर चूँकि सरकार,शिक्षा मंत्री और शिक्षा विभाग की मंशा साफ नहीं है,इसलिए पिछले एक साल से चल रही ट्रांसफर ड्राइव हिचकोले खा रही है,कोई ना कोई इफ-बट लगाया जा रहा है और जहाँ शिक्षक परेशान हैं वहीं छात्रों को भी नुकसान हो रहा है और साथ ही सरकार की साख को भी धक्का लग रहा है,शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है,शिक्षा मंत्री की जुबान झूठी साबित हो गई है। राज्य प्रधान कृष्ण कुमार निर्माण ने कहा कि पीएम श्री/मॉडल स्कूलों में तबादलों के लिए ली गई परीक्षा के लगभग दो साल होने को है,स्टेशन भरवा लिए पर ट्रांसफर नहीं हुए हैं।जबकि प्रदेश भर में लगभग चालीस हजार से ज्यादा शिक्षक अस्थाई स्टेशनों पर बैठे हैं,हजारों शिक्षक एनिवेहर और हजारों डेपुटेशन पर बैठे हैं ।गजब की बात यह है कि कहीं शिक्षक अधिक हैं ,तो कहीं उनके गृह जिलों में पद खाली होने के बावजूद शिक्षकों को दो-सौ तीन सौ किलोमीटर दूर धकेला गया है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा ट्रांसफर को लेकर की गई तमाम कवायदें कोरा ढकोसला साबित हुई क्योंकि अभी तक ट्रांसफर का कोई अता-पता नहीं है और जानबूझकर ट्रांसफर पॉलिसी को कानूनी पचड़े में उलझाया गया ताकि ट्रांसफर को डील किया जा सके जबकि शिक्षक तबादला संघर्ष समिति पिछले तीन साल से केवल ट्रांसफर के मुद्दे को लेकर संघर्षरत है लेकिन गजब है कि हाई-फाई शिक्षा विभाग में कोई मेल खोलकर भी देखता हो क्योंकि समिति ने आधा दर्जन मेल माननीय सीएम,ईएम और विभागीय अधिकारियों की कर रखी हैं। राज्य प्रधान कृष्ण कुमार निर्माण ने बताया कि समिति ने तो यहाँ तक भी सुझाव दे दिया था कि यदि ट्रांसफर ऑनलाइन संभव नहीं हों तो ऑफलाइन ही कर दी जाएं और यदि ऐसा भी संभव नहीं है तो 2022 की तर्ज पर अस्थाई स्टेशनों पर बैठे तमाम टीचर की डेपुटेशन कर दी जाए मगर पता नहीं क्यों सरकार,मंत्री महोदय और शिक्षा विभाग इस ओर से आँखें मूंदे हुए है जबकि ट्रांसफर करने में कोई आर्थिक बोझ सरकार और विभाग पर नहीं पड़ता बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता के लिए इस समय ट्रांसफर किया जाना बेहद जरूरी है।उन्होंने माँग की कि सरकार खुद इस मामले में संज्ञान ले,शिक्षा मंत्री सीधा हस्तक्षेप करे और शिक्षा विभागीय अधिकारी ट्रांसफर की तरफ ध्यान दें और अति शीघ्र ट्रांसफर किए जाएं।

राज्य अधिवक्ता परिषद के 12 मई को होने वाले चुनाव में आर के सिंह सैनी जी को भारी मत प्रदान करने की अपील की

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद जिला शिकायत निवारण समिति कटनी की जिला प्रतिनिधि एडवोकेट अंजुला सरावगी बजाज ने विज्ञप्ति के मार्फत समस्त अधिवक्ता भाइयों एवं बहनों से अपील की है कि दिनांक 12 मई 2026 दिन मंगलवार को होने वाले मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव में अधिवक्ताओं के हमदर्द, सदा उनके सुख-दुख में खड़ा रहने वाले, कानूनी एवं प्रशासनिक समस्याओं को हल करवाने वाले लोकप्रिय अधिवक्ता भाई आरके सिंह सैनी जी (पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश राज्याधिवक्ता परिषद एवं कटनी व मंडला जिला प्रभारी) को उनके क्रमांक नंबर 73 पर अपना अमूल्य प्रथम वरीयता मत (1 नंबर) प्रदान कर भारी मतों से विजय बनाएं ताकि समस्त अधिवक्ता भाइयों एवं बहनों को शासनिक प्रशासनिक एवं एवं मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद से मिलने वाले सहयोग को प्राप्त किया जा सके अपील करने वालों में वरिष्ठ अधिवक्ता श्री संतु परोहा जिला उपाध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ कटनी,श्री ललित त्रिपाठी, श्री बालिया जी, श्रीमती रंजना उपाध्याय, श्री संजय उपाध्याय, श्रीमती ज्योति राजपूत, श्रीमती अंजुला सरावगी बजाज, श्रीमती कांता रजक, श्रीमती मुन्नी खान,श्री सनत परोहा, श्री अंतु पाण्डेय, श्री अरविन्द पाण्डेय, श्री राजेश सिंह, श्री धनेश नायक, अक्षय बजाज, कमलापति तिवारी, समर सैनी, अनुराग गुप्ता, कहकसा मंसूरी, फातमा खातून, पूजा सोनी, परिधि आर्या, उपेंद्र सिंह, पूनम रैदास, मंगलजीत सिंह, मिहिर बर्मन,यशपाल सिंह राजपूत, आदित्य श्रीवास्तव, सचिन यादव, एवं अन्य साथी अधिवक्ता गण।

लाल पोटली से मिला बच्चे का नर कंकाल

- तंत्र-मंत्र की आशंका से सहमे ग्रामीण
- कब्र से शव निकालने की जांच में जुटी पुलिस

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के भुईमाड़ थाना क्षेत्र के खम्हरिया गांव में एक रहस्यमयी घटना सामने आई है। गांव के बाहर बांस के पेड़ पर लाल कपड़े की पोटली में एक बच्चे का नर कंकाल मिला है। घटना के बाद ग्रामीणों में तंत्र-मंत्र और जादू-टोने की आशंकाएं बढ़ गई हैं, जिसकी पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है। ग्रामीण सत्य प्रकाश बैगा ने बताया कि रविवार सुबह गांव के कुछ लोगों ने बांस के पेड़ पर एक लाल पोटली देखी। संदिग्ध लगने पर जब ग्रामीणों ने पास जाकर देखा, तो उसके भीतर एक छोटे बच्चे का नर कंकाल मिला। इस जानकारी के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। दफना शव को निकालकर तंत्र-मंत्र किया गया। सत्य प्रकाश बैगा के अनुसार, ग्रामीणों में चर्चा है कि यह नर कंकाल संभवतः उस बच्चे का हो सकता है जिसकी कुछ समय पहले मौत हुई थी और उसे गांव में ही दफनाया गया था। जब ग्रामीणों ने बच्चे के दफन स्थल पर जाकर देखा तो वहां खुदाई के निशान और एक गड्ढा मिला। इससे यह। आशंका गहरा गई है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने शव को कब्र से निकालकर तंत्र-मंत्र के लिए इस्तेमाल किया होगा। थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना की सूचना मिलने पर भुईमाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। खम्हरिया निवासी रायभान सिंह ने पुलिस को बताया कि यह पोटली किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर में रख दी थी। परिवार को जानकारी होने पर उन्होंने पोटली को घर से हटाकर बांस के पेड़ पर रख दिया था।

इनका कहना है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में दफन स्थल पर खुदाई के निशान मिले हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है और तथ्य सामने आने के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। डीडी सिंह, थाना प्रभारी भुईमाड़।

पिपराव में श्रीमद्भागवत कथा की हो रही अमृत वर्षा

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले के पश्चिमांचल क्षेत्र रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम पिपरांव परिहार टोला के सुशीला सदन में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में श्रद्धा का जनमानस् उमड़ रहा है। जगन्नाथ पुरी धाम ओडिशा से पधारे बिप्रजी पाण्डेय निवासी ग्राम भरतपुर के चिरंजीव सुपुत्र परमपूज्य डॉ. आदिकेशव रामानुजदास जी महाराज अपनी अमृतमयी वाणी से क्षेत्रवासियों को भक्ति मार्ग से जोड़ रहे हैं। श्री मद्भागवत कथा मे व्यास जी महाराज के मुखारविन्दु से चंद्रवंश मे जन्मे भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला मे अथाह प्रेम व जीवन मे भक्ति कैसे किया जाये मूल मंत्र प्रदान किये। कालिया नाग को यमुना से मुक्त करना, गोपियों संग रासलीला कर हर मानव जीव को प्रेम करना सिखाया एवं महारास कियाए राधारानी को मान और गोपियों को अभिमान हुआ, मनुष्यों को यह शिक्षा लेनी चाहिए कि सुंदरता का अभिमान नही करना चाहिए। अक्रूर जी की अज्ञानता को दूर किया। जब एक राजा पालक, प्रजा पर अत्याचार करने लगे तो ऋषिसत्ता एवं लोकसत्ता को उसके दंड देने मे संकोच नही करना चाहिए। राजा नीति पर चलेगा तो प्रजा भी नीति पर चलेगी और तब प्रकृति ऐसे राज्य में अपना सर्वश्व प्रदान करेगी, वहां चारों ओर सुख, शांति एवं समृद्धि व्याप्त होगा। अपनी कथा के प्रसंगो से श्रोताओ को भाव विभोर कर दिया। कथा का लाभ लेने विशेष रूप से कथा व्यासजी के पूज्य पिताजी बिप्रजी पाण्डेय भरतपुर, शशिभूषण पाण्डेय, श्रीनिवास तिवारी शास्त्री पिपरांव, नरेन्द्र सिंह परिहार ब्लाक कालोनी रामपुर, शुभकरण पाण्डेय खरहना, प्रभात सिंह परिहार ब्यौहारी, डॉ. उपेंद्र सिंह परिहार मुदरिया, शिवकुमार सिंह हिनौती, अर्जुन सिंह परिहार खारा, सुरेंद्र तिवारी मझीगवां, शंकर तिवारी मलगांव, पुष्पराज तिवारी मलगांव, दद्दन् पाण्डेय बुढ़गौना, राजीव पाण्डेय, राम लाल पाण्डेय भरतपुर, देवीदीन पाण्डेय शिक्षक, पप्पू गुप्ता, रामपाल सिंह चोरहटा, राजेंद्र सिंह, नृपेंद्र सिंह, सत्यम सिंह, कार्यक्रम के प्रमुख दर्शनाभिलाषी चन्द्रवली सिंह परिहार, तेजवली सिंह परिहार, तेजभान सिंह परिहार, सुनील सिंह परिहार, कुशल सिंह परिहार, डॉ. अजय पाल सिंह परिहार, वीरेन्द्र सिंह परिहार, वृजेन्द्र सिंह परिहार एवं कैलाश सिंह परिहार सहित समस्त क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

हिरन नदी से अतिक्रमण हटाने में हीलाहवाली

- सीमांकन के बाद चिन्हित अतिक्रमणों को हटाने में निष्क्रियता के आरोप
- अतिक्रमण के प्रभाव से नदी से नाला बन चुकी है हिरन नदी

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। शहर की प्रमुख हिरन नदी के सीमांकन के बाद चिन्हित अतिक्रमण हटने का इंतजार लंबा हो चुका है। नदी से नाला बनी हिरन नदी को अतिक्रमण से मुक्त कराने एक वर्ष के प्रयास के बाद हुये सीमांकन में चिन्हित अतिक्रमणकारियों को हटाना प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। बताते चलें कि शहरवासियों की मांग पर जनप्रतिनिधियों की पहल के बाद कलेक्टर एवं एसडीएम गोपद बनास के निर्देशानुसार तहसीलदार के आदेश पर हिरन नदी के सीमांकन की कार्यवाही पिछले वर्ष हो चुकी है। सीमांकन में कोतरकला एवं कोटहा क्षेत्र की नदी के लिये अलग-अलग राजस्व टीम गठित की गयी थी। कोतरकला में 21 अतिक्रमणकारी चिन्हित किये गये हैं। वहीं कोटहा क्षेत्र में दर्जन भर अतिक्रमणकारी चिन्हित किये गये। दोनो टीमों के राजस्व निरीक्षक द्वारा सीमांकन एवं चिन्हित अतिक्रमणों का प्रतिवेदन तहसीलदार गोपदबनास को पिछले वर्ष ही सौंपा जा चुका है। तब से लोगों को बेसब्री से इंतजार है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा चिन्हित किये गये अतिक्रमणों की बेदखली की कार्यवाही जल्द से जल्द शुरू की जाय। चर्चा के दौरान कुछ नागरिकों का कहना था कि यदि चिन्हित किये अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही प्रशासन द्वारा नहीं की गयी तो बाद में इनके हटने में काफी पेंच फंस सकता है। चिन्हित किये गये अतिक्रमणकारियों द्वारा बेदखली की कार्यवाही से बचने के लिये तरह-तरह के हथकंडे अपनाने शुरू कर किये गये हैं। यदि समय पर अतिक्रमणों के बेदखली की कार्यवाही पूरी हो जाती है तो जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हिरन नदी के सौन्दर्यीकरण का कार्य भी शुरू हो जाता। मानसून की सक्रियता 15 जून से मानी जाती है, ऐसे में बेदखली की कार्यवाही को समय रहते पूर्ण कराना काफी आवश्यक है। अतिक्रमणकारियों का पिछले वर्ष से प्रयास है कि तहसील कार्यालय से उनके बेदखली को लेकर कार्यवाही न हो जिससे मामला ठंडे बस्ते में कैद हो जाय। उधर जानकारों का कहना है कि शहर के हिरन नदी में चिन्हित किये गये अतिक्रमणों के बेदखली की कार्यवाही यदि प्रशासन द्वारा जल्द शुरू नहीं की गयी तो इसमें काफी पेंच आ सकता है। प्रशासनिक चूक से कहीं बेदखली की कार्यवाही कोर्ट के स्टे में न उलझ जाय। इस वजह से तत्कालीन कलेक्टर अभिषेक सिंह की सूखा नदी के तट से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की तर्ज पर हिरन नदी के अतिक्रमणों को भी हटाना चाहिये। प्रशासनिक अधिकारी यदि तत्परता दिखायेंगे तो चिन्हित किये गये अतिक्रमण एक ही दिन में बेदखल हो सकते हैं। शहरवासियों को पिछले वर्ष से इंतजार है कि बेदखली की कार्रवाई हो जिससे प्राचीन हिरन नदी अपने पुराने अस्तित्व में आ सके और इसका सौंदर्यीकरण का कार्य भी नगर पालिका परिषद सीधी के माध्यम से कराया जाए। हिरन नदी शहर की जीवन रेखा मानी जाती है।

जेपी निगरी पावर प्लान्ट के सौजन्य से रक्तदान शिविर आयोजित

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिला प्रशासन सीधी के स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से दिनांक 09 मई 2026 को एक वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ जिला सीधी अस्पताल के डॉक्टर सुनिधि सिंह एवं उनकी टीम और जेपी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी मेजर जनरल एस.के. पानीग्रही, विशिष्ट सेवा मेडल सेवानिवृत्त, ए.के. श्रीवास्तव, यतीन्द्र खरे, डॉ. ए.के. राय एवं मेसर्स पॉवर मेक एम.कृष्णा मुरली द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। जिसमें कंपनी के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं टाउनशिप के रहवासियों, महिलाओं व निकटवर्ती गाँव के ग्रामीणों ने रक्तदान का पुण्य कार्य किया, जिसमें 54 लोगों ने रक्तदान किया। इसके पूर्व में 77वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 14 अगस्त को भी जेएनएसटीपीपी निगरी अस्पताल में रक्तदान शिविर का वृहद आयोजन किया गया था, जिसमें 60 लोगों ने रक्तदान किया था, जो सीधी जिले का रक्तदान शिविर में सबसे ज्यादा लोगों द्वारा किया गया रक्तदान था तथा यह सीधी जिले का दूसरा सबसे अधिक रक्तदान है।

बहरी पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, 24 घंटे में सुलझी अंधी हत्या की गुत्थी

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

- सनसनीखेज हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

सीधी। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन में सीधी पुलिस ने एक बार फिर अपनी व्यावसायिक दक्षता का परिचय देते हुए जंगल में मिली अज्ञात महिला की अंधी हत्या का सफल पर्दाफाश किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं डीएसपी मुख्यालय अमन मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना बहरी पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर हत्यारे को दबोचकर सलाखों के पीछे भेज दिया है। पुलिस के अनुसार बीते 4 मई 2026 को ग्राम ददरी-बैसाहिया जंगल के समीप तरका पोडी रोड किनारे एक अज्ञात महिला का रक्तरंजित शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राजेश पाण्डेय अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। गहन शिनाख्त के बाद मृतिका की पहचान रामकली सिंह गोड 36 वर्ष निवासी ग्राम कठास जमोड़ी के रूप में हुई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक द्वारा विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस ने जब मृतिका के संपर्कों और घटना स्थल के आसपास के रूट का तकनीकी विश्लेषण किया, तो एक महरून रंग की अल्टो कार एमपी 19 सीए 2597 संदेह के घेरे में आई। जांच में पता चला कि मृतिका अंतिम बार पवन साहू पिता राजकरण साहू निवासी नेबूहा के साथ देखी गई थी। पुलिस हिरासत में कड़ी पूछताछ के दौरान आरोपी पवन साहू ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि उनके बीच पुराना विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते वह मृतिका को बहला-फुसलाकर अपनी कार में बैठाकर एकांत जंगल में ले गया। वहां विवाद बढ़ने पर आरोपी ने आपा खो दिया और कार में रखे व्हीलपाना एवं भारी पत्थर से सिर पर ताबड़तोड़ हमला कर महिला की निर्मम हत्या कर दी और साक्ष्य छुपाने की नीयत से शव को सडक़ किनारे फेंककर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अल्टो कार, मृतिका का मोबाइल फोन, आला-कत्ल व्हीलपाना व पत्थर बरामद कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध थाना बहरी में धारा 103(1) बीएनएस एवं 3(2)(व्ही) एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। इस चुनौतीपूर्ण अंधे कत्ल को सुलझाने में थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राजेश पाण्डेय एवं उनकी पूरी टीम उपनिरीक्षक समयलाल वर्मा, सउनि जेएन श्रीवास्तव व अन्य अधीनस्थ कर्मचारी की तकनीकी सूझबूझ और तत्परता की पुलिस अधीक्षक द्वारा सराहना की गई है।

CRWWO पुणे मंडल ने "प्रोजेक्ट दस्तक" के तहत महिलाओं के लिए स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया

लोकतंत्रकि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ पत्नी जबलपुर मध्य प्रदेश

मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (CRWWO), पुणे मंडल, श्रीमती स्वाति वर्मा, अध्यक्ष, CRWWO पुणे मंडल के नेतृत्व में, विभिन्न मानवीय पहलों के माध्यम से सामाजिक कल्याण और सामुदायिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखे हुए है। अपनी चल रही कल्याणकारी गतिविधियों के हिस्से के रूप में, श्रीमती स्वाति वर्मा ने, पुणे मंडल की CRWWO टीम के सदस्यों के साथ मिलकर, हाल ही में पुणे में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के पास, ताडीवाला रोड स्थित पास के झुग्गी क्षेत्र में एक पर्यावरण-अनुकूल सैनिटरी पैड वितरण और स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान, पास के झुग्गी क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के बीच पर्यावरण-अनुकूल "दस्तक" सैनिटरी नैपकिन वितरित किए गए। महिलाओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रथाओं के महत्व के बारे में परामर्श भी दिया गया और जागरूक किया गया। यह पहल "प्रोजेक्ट दस्तक" के तहत आयोजित की गई थी, जो रेलवे महिला कल्याण केंद्रीय संगठन (RWWCO), रेलवे बोर्ड का एक कल्याणकारी कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य महिलाओं की स्वच्छता के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना और जरूरतमंद महिलाओं को मुफ्त सैनिटरी नैपकिन प्रदान करना है। इस तरह की जागरूकता पहलों के अलावा, CRWWO पुणे मंडल वंचित बच्चों के लिए शैक्षिक और बाल देखभाल गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। श्रीमती स्वाति वर्मा के मार्गदर्शन में, CRWWO ताडीवाला रोड और घोरपुरी में बालवाड़ी स्कूलों का सफलतापूर्वक प्रबंधन कर रहा है, जो छोटे बच्चों के लिए किंडरगार्टन शिक्षा और एक पोषणकारी वातावरण प्रदान करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

संसदीय समिति की बैठक में नहीं आए प्रधानमंत्री बालेन्द्र, नेपाली कांग्रेस ने किया बैठक का बहिष्कार

काठमांडू। नेपाल के संसद की राज्य व्यवस्था तथा सुशासन समिति की बैठक में लगातार दूसरी बार भी प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की अनुपस्थिति पर प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस ने बैठक का बहिष्कार किया है। सोमवार सुबह 11 बजे बैठक बुलाई गई थी। गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी भी संभाल रहे प्रधानमंत्री बालेन्द्र से बैठक में भूमिहीन बस्तियों को खाली कराने, सुरक्षा प्रशासन सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की जानी थी, लेकिन उनके बैठक में शामिल न होने पर नेपाली कांग्रेस ने विरोधस्वरूप बैठक का बहिष्कार किया। कांग्रेस संसदीय दल के नेता आङ्देम्बे ने कहा कि प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में समिति की बैठक का कोई औचित्य नहीं रह जाता। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय से जुड़े भूमिहीन समेत विभिन्न मुद्दों पर जवाब लेना है। गृहमंत्री की भूमिका में प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ही हैं, इसलिए यदि प्रधानमंत्री आकर जवाब देंगे, तो हम बैठक में आएंगे। यदि प्रधानमंत्री नहीं आते, तो सिर्फ औपचारिक मुलाकात, चर्चा, परिचय और चाय पीकर लौटने के लिए हमारी उपस्थिति का कोई अर्थ नहीं है। इसी कारण आज भी हम बैठक में शामिल नहीं हुए। आङ्देम्बे ने बताया कि समिति के सभापति हरि ढकाल से कहा गया है कि यदि प्रधानमंत्री बैठक में उपस्थित होने वाले हों, तो इसकी जानकारी दी जाए। उनके अनुसार, सभापति ढकाल से प्रधानमंत्री बालेन को समिति में उपस्थित कराने के लिए कई बार आग्रह भी किया गया है। आङ्देम्बे ने स्पष्ट कहा कि प्रधानमंत्री के बिना समिति की बैठक का कोई सार्थक अर्थ नहीं है, क्योंकि हमें उन्हीं से जवाब चाहिए। प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति के कारण समिति की बैठक लगातार दूसरी बार प्रभावित हुई है।

काठमांडू हवाई अड्डे पर उड़ानों का परिचालन शुरू

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के रनवे से टर्किश एयर के विमान को हटाने के बाद विमानों की उड़ान और लैंडिंग फिर से शुरू हो गई है। टर्किश के विमान में लैंडिंग के समय आग लग जाने से यह हवाई अड्डा करीब दो घंटे बंद रहा। विमानस्थल कार्यालय के अधिकारी छवि ठकुल्ला ने कहा कि सुबह 9 बजे से विमानस्थल फिर से संचालन में आ गया है। डायवर्ट किए गए विमान अब दोबारा लैंडिंग की प्रक्रिया में हैं। काठमांडू एयरपोर्ट बंद होने के दौरान वाराणसी से आ रहे बुद्धा एयर के विमान को सिमरा एयरपोर्ट, श्री एयरलाइंस के विमान को विराटनगर, एयर इंडिया के विमान को दिल्ली और फ्लाई दुबई के विमान को लखनऊ डायवर्ट करना पड़ा। खबर लिखे जाने तक दिल्ली से आए एयर इंडिया, शारजाह से आए एयर अरेबिया, दोहा से आए कतर एयर, दुबई से आए फ्लाई दुबई और मलेशिया से नेपाल एयरलाइंस के विमान का अवतरण हो चुका है। हांगकांग से आ रहेहिमालय एयरलाइंस का विमान अभी लैंडिंग की तैयारी में है। रनवे बंद होने के कारण काठमांडू हवाई अड्डे से उड़ान नहीं भर पाने वाले एयर इंडिया (दिल्ली), हिमालय एयरलाइंस (ल्हासा), जजीरा एयर (कुवैत), एयर एरेबिया (शारजाह), बुद्ध एयर (वाराणसी) को उड़ान की अनुमति दे दी गई है। टर्किश एयर के जिस विमान में आग लगी, उसकी काठमांडू-इस्तांबुल उड़ान को रद कर दिया गया है। इस हादसे के कारण घरेलू उड़ानों में भी देरी हुई है।

राजस्थान का बाड़मेर देश में सबसे गर्म

भोपाल/लखनऊ/जयपुर/पटना। राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हीटवेव जारी है। रविवार को चारों राज्यों के 9 शहरों में पारा 44°C के पार रहा। राजस्थान का बाड़मेर 46.8°C के साथ देश में सबसे गर्म शहर रहा। जैसलमेर में तापमान 46.3°C और फलोदी में 46°C पहुंच गया। मध्य प्रदेश के रतलाम में 45.5°C तापमान रहा। भोपाल में 40.4°C में 42°C जैसी झुलसाने वाली गर्मी महसूस हुई। मौसम विभाग के अनुसार 11 और 12 मई को तापमान 2 से 3 डिग्री तक और बढ़ेगा। भोपाल में पारा 42 से 43°C तक पहुंचने के आसार हैं। इधर, गुजरात के राजकोट में 44.3°C और अमरेली में 44.1°C तापमान के कारण हीटवेव चली। महाराष्ट्र में जलगांव 44.5°C के साथ सबसे गर्म रहा। बिहार में आंधी-बारिश का दौर जारी है। यहां कैमूर जिले में रविवार को सबसे ज्यादा तापमान 38.4°C रहा। उत्तराखंड के कई हिस्सों, खासकर पहाड़ी इलाकों में 12 और 13 मई को बारिश और खराब मौसम की आशंका है। गढ़वाल कमिश्नर ने इस दौरान चार धाम यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने और यात्रा से बचने की अपील की है।

काशी में जम्मू-तवी एक्सप्रेस में यात्री की हत्या, बाथरूम से निकलते ही सिर में गोली मारी

वाराणसी। वाराणसी में जम्मू-तवी एक्सप्रेस ट्रेन के एक यात्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई। रविवार रात 2 बजे बाथरूम से निकलते ही बदमाशों ने उसके सिर में गोली मार दी। गोली की आवाज सुनते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों ने तुरंत रेलवे पुलिस को सूचना दी। इसी बीच ट्रेन की रफ्तार धीमी हुई और हमलावर ट्रेन से कूदकर फरार हो गए। घटना मुगलसराय रेलवे स्टेशन से करीब 3 किमी पहले ब्लॉक हट-बी के पास हुई। मृतक दिनेश साहू (42) बिहार के गया जिले के रहने वाले थे। वह परिवार के साथ सीतापुर के नैमिषारण्य जा रहे थे। ट्रेन में दो दिन में हत्या की यह दूसरी वारदात है। इससे पहले रविवार को पैसेंजर ट्रेन में गाजीपुर के रहने वाले एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बिहार के गया जिले के पिपरिया गांव के रहने वाले दिनेश साहू कोलकाता-जम्मू तवी एक्सप्रेस से सीतापुर के नैमिषारण्य धाम जा रहे थे। वह पत्नी के साथ कोच S-2 में सवार थे, जबकि उनकी बहन, उनके दो बच्चे और सास जनरल कंपार्टमेंट में यात्रा कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 2 बजे मुगलसराय रेलवे स्टेशन से पहले ब्लॉक हट-बी के पास ट्रेन पहुंची थी। उस समय दिनेश बाथरूम गए थे। जैसे ही वह बाहर निकले, किसी ने उन्हें गोली मार दी। गोली की आवाज सुनकर यात्री मौके पर पहुंचे। पत्नी भी दौड़कर पहुंची और देखा कि दिनेश का शव खून से लथपथ पड़ा था। ब्लॉक हट-बी के चलते ट्रेन की स्पीड धीमी थी, इसलिए हमलावर ट्रेन से उतर गए। यात्रियों ने पुलिस को सूचना दी। रात 2:42 बजे ट्रेन वाराणसी जंक्शन पहुंची, जहां शव को नीचे उतारा गया। पुलिस ने बताया कि दिनेश शाह के पास करीब 15 हजार रुपये नकद मिले हैं। उनकी पत्नी के जेवर सुरक्षित हैं। घटना के बाद रेलवे पुलिस की एक टीम ट्रेन के साथ आगे गई है, ताकि यात्रियों से पूछताछ कर हमलावरों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। वहीं दूसरी टीम दिनेश के गांव भेजी गई है, जहां परिजनों से पूछताछ की जाएगी।

हिमाचल में तूफान का कहर, कुल्लू में 5 घरों और 8 गौशालाओं की छत्ते उखड़ी, रामपुर में टिप्पर पर पेड़ गिरा

शिमला। हिमाचल प्रदेश में दो दिन की राहत के बाद फिर से मौसम बदला है। बीती रात (10 मई) को कई भागों में तेज बारिश के साथ कई क्षेत्रों में तूफान ने कहर बरपाया है। कुल्लू के बंजार क्षेत्र में 5 रिहायशी घरों के साथ 7 से अधिक गौशालाओं की छत्ते उड़ गई। कांगड़ा और शिमला में भी कई जगह तूफान से पेड़ व बिजली के खंबे गिर गए। मौसम विभाग के अनुसार- बीती रात में गुलेड़ में 41.2 मिलीमीटर, पंडोह में 41 मिमी और कांगड़ा में 32.4 मिमी बारिश हुई। कांगड़ा में तूफान से कई जगह पेड़ गिरने के कारण 5 घंटे तक बिजली गुल रही। शिमला, मंडी, हमीरपुर, सोलन और कुल्लू जिले में भी रात में बारिश हुई है। शिमला के रामपुर की गानवी खड्ड का तेज बारिश के बाद अचानक वाटर लेवल बढ़ा गया। इससे बौलेरो कैंपर गाड़ी इसमें फंस गई और सड़क टूट गई। इसके बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने रेस्क्यू चलाया और गाड़ी व ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला। रामपुर के पाटबंगला में NH पर खड़े टिप्पर पर बड़ा पेड़ गिर गया। इससे गाड़ी को नुकसान पहुंचा है। राज्य में कई जगह तूफान से पेड़ गिरने की घटनाएं पेश आई। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में पांच दिन तक मौसम खराब रहेगा। इस दौरान तेज बारिश, ओलावृष्टि के साथ 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तूफान चलने का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग ने आज के लिए चार जिलों- चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी में यलो अलर्ट जारी कर रखा है। राज्य के अधिकांश भागों में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। आज रात से वेस्टर्न डिस्टरबेंस ज्यादा स्ट्रॉन्ग होगा। इसे देखते हुए कल के लिए चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर अन्य सभी जिलों में यलो अलर्ट की चेतावनी है।

टीएमसी 31 सीटों के नतीजों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची

कहा- यहां जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोटों से कम, कोर्ट बोला- नई याचिकाएं लगाएं

एजेंसी, नई दिल्ली/कोलकाता

सुप्रीम कोर्ट में TMC ने दावा किया कि बंगाल में हुए विधानसभा चुनाव में 31 सीटों पर भाजपा और TMC में हार जीत का अंतर SIR में काटे गए वोटों से कम है। सोमवार को TMC सांसद और वकील कल्याण बनर्जी ने यह बात जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमल्या बागची की बेंच से कही। बेंच बंगाल में SIR प्रैक्टिस को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने कहा- पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य नेता बंगाल में हुए स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के खिलाफ नई याचिका दाखिल कर सकते हैं।

हार 862 वोटों से हुई, SIR में 5000 वोट कम हुए: इससे पहले कल्याण बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि एक मामले में उनके कैंडिडेट की हार 862 वोटों से हुई, जबकि उस सीट पर 5000 से ज्यादा वोटर नाम लिस्ट से हटाए गए थे। TMC और भाजपा के बीच कुल वोटों का अंतर करीब 32 लाख था और वोट डिलीशन के खिलाफ 35 अपीलें अभी भी पेंडिंग हैं। वहीं, चुनाव आयोग ने इन दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में सही उपाय EC में याचिका दाखिल करना है।आयोग का कहना है कि SIR और उससे जुड़े विवादों में इसी प्रक्रिया के तहत जवाबदेही तय की जा सकती है।

अपीलों को निपटाने में 4 साल लगेंगे: TMC की ओर से ही पेश हुईं सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने कोर्ट को बताया कि मौजूदा रफ्तार से अपीलीय ट्रिब्यूनल्स को इन अपीलों को निपटाने में करीब 4 साल लग सकते हैं। हाल में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 294 में से 207 सीटें जीतीं हैं, जबकि TMC को 80 सीटें मिली हैं। इन चुनावों में राज्य में 90% से ज्यादा वोटिंग दर्ज की गई। भाजपा को कुल 2 करोड़ 92 लाख 24 हजार 804 वोट मिले हैं। तृणमूल कांग्रेस को 2 करोड़ 60 लाख 13 हजार 377 वोट मिले हैं। BJP को TMC से 32 लाख 11 हजार 427 ज्यादा वोट मिले हैं। यानी 293 सीटों के हिसाब से भाजपा को हर सीट पर औसत 10,960 वोट ज्यादा मिले। राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) से कुल 91 लाख वोट कटे। यानी हर सीट पर औसतन 30 हजार वोटरों के नाम काटे गए। कुल 293 सीटों में से 176 पर जीत का अंतर 30 हजार से कम और 117 सीटों पर 30 हजार से अधिक रहा।

राहुल बोले- देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

♦ सोना न खरीदें, विदेश न जाएं जैसी 7 अपीलें उपदेश नहीं, नाकामी के सबूत

राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया 'सात अपीलों' पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी करार दिया। कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है। X पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा, 'कल मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं।' उन्होंने कहा, '12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं।' दरअसल, रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत और पर्यावरण की रक्षा हो सके।

विपक्ष ने कहा, देश में सिर्फ एक संकट 'भाजपा': समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, 'भाजपा सरकार अर्थव्यवस्था और विदेश नीति दोनों को संभालने में विफल रही है। जैसे ही चुनाव खत्म हुए, सरकार को अचानक 'संकट' याद आ गया। असल में देश के लिए केवल एक ही संकट है और उसका नाम भाजपा है।" AAP नेता संजय सिंह ने कहा, 'कल पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दो महीनों से सरकार आपका बोझ उठा रही थी। अब जब चुनाव खत्म हो गए हैं, तो आपकी उपयोगिता भी खत्म हो गई। आपका बोझ तब तक उठाया, जब तक पांच राज्यों में चुनाव चल रहे थे।

संसदीय साक्षरता और मूल्य आधारित पत्रकारिता जरूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने सोमवार को कहा कि डिजिटल दौर में पत्रकारिता में तेजी महत्वपूर्ण है, लेकिन यह सटीकता की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। उन्होंने युवा पत्रकारों से मूल्य आधारित और विश्वसनीय पत्रकारिता को मजबूत करने का आह्वान किया। संसद भवन परिसर में राज्यसभा टीवी इंटर्नशिप कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए हरिवंश ने कहा कि किसी भी पत्रकार के लिए संसदीय साक्षरता उतनी ही आवश्यक है जितनी पेशेवर दक्षता। उन्होंने कहा कि संसद वह स्थान है जहां राष्ट्र का इतिहास लिखा जाता है और इसकी सही रिपोर्टिंग के लिए संवैधानिक ढांचे, नियम पुस्तिकाओं तथा संसदीय परंपराओं की गहरी समझ जरूरी है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से संसद टीवी को विश्वसनीय सूचना का मानक बनाने का आग्रह करते हुए कहा कि डिजिटल मीडिया के दौर में गति बढ़ी है, लेकिन पत्रकारिता की विश्वसनीयता और तथ्यात्मक सटीकता सर्वोपरि रहनी चाहिए। उपसभापति ने कहा कि युवा पत्रकार जटिल विधायी प्रक्रियाओं और आम नागरिक की आकांक्षाओं के बीच सेतु का काम कर सकते हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं को युवाओं से जुड़ने वाले नए और प्रभावी कहानी कहने के प्रारूप विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। हरिवंश ने कहा कि संसद परिसर में काम करने वालों की विशेष नैतिक जिम्मेदारी होती है। उन्होंने प्रशिक्षुओं से अनुशासन और समर्पण के मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान करते हुए कहा कि वे केवल सामग्री निर्माता नहीं, बल्कि जनता के जानने के अधिकार के संरक्षक भी हैं।

हिमाचल में सड़क हादसा, 6 लोगों की मौत

एजेंसी, भरमौर

♦ इनमें 5 गुजरात के, 4 घायल, मनाली से डलहौजी घूमने जा रहे थे

हिमाचल प्रदेश के चंबा-नूरपुर नेशनल हाईवे पर आज (सोमवार को) सुबह सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। इनमें 5 लोग गुजरात के रहने वाले हैं, जबकि एक हिमाचल का ड्राइवर था। वहीं, चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को टांडा मेडिकल कॉलेज कांगड़ा रेफर किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त इनोवा क्रिस्टा गाड़ी में गुजरात के टूरिस्ट सवार थे। ये लोग मनाली से चंबा के डलहौजी घूमने जा रहे थे। हादसे के वक्त क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी। गाड़ी में ड्राइवर समेत कुल 10 लोग सवार थे। चंबा के SP विजय कुमार सकलानी ने बताया कि हादसे में 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 लोगों को हेड-इंजरी है। पुलिस ने सभी शवों को खाई से निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। जहां हादसा हुआ है, वहां मिट्टी चिकनी है। बारिश से मिट्टी स्लिपरी हो जाती है। इसलिए, संभावना है कि भारी बारिश के दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर गिरी हो।

इन लोगों की जान गई: पुलिस के मुताबिक, हादसे में जान गंवाने वाले 5 लोग गुजरात के हैं। इनमें भावनगर की सिंधी कॉलोनी के रहने वाले ललितभाई फतनानी और उनकी पत्नी ममताबेन ललितभाई फतनानी शामिल हैं। वहीं, अन्य मृतकों में प्रियंक कन्हैयालाल भोपानी, उनकी पत्नी काजल और बेटा दियांश भी शामिल है। वहीं, छठे मृतक का नाम जसवंत कुमार (51) है। वह मंडी जिले में तहसील जोगिंदरनगर के गांव कोहरा के रहने वाले थे। टूरिस्टों के साथ वह गाड़ी के ड्राइवर के रूप में यात्रा कर रहे थे। घायल सभी गुजरात के घायलों में ललितभाई फतनानी के बेटे मयंक ललितभाई फतनानी (31), उनकी पत्नी फोरमबेन मयंक फतनानी (31), इनका 3 साल का बेटा जियांश और प्रियंक कन्हैयालाल भोपानी की बेटी प्रियान्शी भोपानी (3) शामिल हैं। ये सभी गुजरात के रहने वाले हैं और इनका इलाज चल रहा है।

चुवाड़ी अस्पताल में पोस्टमार्टम: पुलिस ने मृतकों के शवों खाई से निकालकर चंबा के चुवाड़ी अस्पताल भेज दिया है। यहां पर सभी का पोस्टमॉर्मट करवाया जाएगा। पुलिस ने मृतकों व घायलों के परिजनों को भी सूचित कर दिया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा और शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। चंबा हादसे में छह लोगों के निधन पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने और घायलों को ईलाज की बेहतर सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

शुभेंदु अधिकारी की पहली कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला, बीएसएफ को मिलेगी जमीन

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की नवगठित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की पहली कैबिनेट बैठक सोमवार को राज्य सचिवालय नवान्न में हुई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने राज्य की प्रशासनिक दिशा, सुशासन, सीमा सुरक्षा, केंद्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन और संवैधानिक शासन व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की। पहली कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु ने कई बड़े फैसले किए हैं। इनमें से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बॉर्डर पर 45 दिनों में भूमि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पूरी करने का बड़ा निर्णय शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में "सुशासन, सुरक्षा और डबल इंजन सरकार" की जो नई यात्रा शुरू हुई है, वह देश के अन्य भाजपा शासित राज्यों के विकास मॉडल का अनुसरण करेगी। उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के 'जनता के लिए, जनता द्वारा और जनता की सरकार' के आदर्श को अपनाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि नई सरकार लोगों की सुरक्षा, विश्वास और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। बैठक में राज्य के मतदाताओं, प्रशासन और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद और बधाई दी गई। इसके अलावा राजनीतिक हिंसा के दौरान जान गंवाने वाले पार्टी के 321 कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इन सभी के परिवारों की हर संभव सहायता करेगी और राजनीतिक हत्याओं में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में सीमा सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बीएसएफ को आवश्यक भूमि हस्तांतरित करने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने का निर्णय लिया गया। भूमि एवं राजस्व सचिव तथा मुख्य सचिव को अगले 45 दिनों के भीतर यह प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया है। कैबिनेट बैठक में पश्चिम बंगाल सरकार ने आधिकारिक रूप से आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने का भी निर्णय लिया है। स्वास्थ्य सचिव और मुख्यमंत्री कार्यालय के सलाहकार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ आवश्यक समझौते जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया है।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री किसान बीमा योजना, पीएम श्री, विश्वकर्मा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना सहित कई केंद्रीय योजनाओं में राज्य की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला अधिकारियों को सभी आवेदन शीघ्र केंद्र सरकार को भेजने का निर्देश दिया गया है। बैठक में प्रशासनिक सुधार के तहत आईएएस अधिकारियों को केंद्रीय प्रशिक्षण प्रणाली से जोड़ने का निर्णय लिया गया है।

शुभेंदु अधिकारी पीए हत्या के तीन आरोपितों को 13 दिनों की सीआईडी हिरासत

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में पुलिस ने बिहार और उत्तर प्रदेश से तीन शार्प शूटरों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों को सोमवार को उत्तर 24 परगना जिला स्थित बारासात एसीजेएम अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने इन्हें 13 दिनों की सीआईडी हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सीआईडी आरोपितों से पूछताछ कर हत्या की साजिश, फंडिंग, हथियार सप्लाई और संभावित मास्टरमाइंड के बारे में जानकारी जुटाएगी।आरोपितों में एक को बिहार के बक्सर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र से पकड़ा गया, जबकि दो को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। पश्चिम बंगाल पुलिस, बिहार पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस संयुक्त रूप से मामले की जांच में जुटी हुई हैं।जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपितों ने टोल प्लाजा पर ऑनलाइन पेमेंट किया था। इसी डिजिटल लेनदेन के आधार पर पुलिस को आरोपितों तक पहुंचने में सफलता मिली। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित पेशेवर शार्प शूटर हैं, जिन्हें हथियार चलाने का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त है।

पुलिस का मानना है कि हत्या को अंजाम देने से पहले बाकायदा रेकी की गई थी और पूरी वारदात बेहद योजनाबद्ध तरीके से की गई। आरोपितों से बरामद कुछ सामान और दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर हाई प्रोफाइल किडनिंग में किया जाता रहा है।

नई श्रम संहिताओं पर खरगे ने उठाए सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार द्वारा नई श्रम संहिताओं को अधिसूचित किए जाने के बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन श्रम संहिताओं को मजदूर-विरोधी बताते हुए सरकार पर श्रमिक अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगाया है। खरगे ने सोमवार को एक बयान में आरोप लगाया कि सरकार ने विधानसभा चुनावों के बाद राजपत्र अधिसूचनाओं के जरिए चार नई श्रम संहिताओं को लागू किया। उन्होंने कहा कि इन प्रावधानों से 'हायर एंड फायर' की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल सकता है और करोड़ों श्रमिकों की नौकरी सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने वेतन संहिता 2019 पर आपत्ति जताते हुए कहा कि मूल वेतन को कुल वेतन का 50 प्रतिशत अनिवार्य करने से कर्मचारियों के हाथ में आने वाली राशि प्रभावित हो सकती है। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशा संहिता 2020 को लेकर कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को आपराधिक दायरे से बाहर करने से श्रमिक हित प्रभावित हो सकते हैं। सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 पर कांग्रेस ने गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए स्पष्ट लाभ व्यवस्था नहीं होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जोमैटो, स्विगी जैसे प्लेटफॉर्म पर काम करने वाले गिग मजदूरों के लिए बीमा या फंडिंग का कोई स्पष्ट मॉडल नहीं है।

देश में पेट्रोल-डीजल के पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध, एलपीजी की सप्लाई जारीः सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और घरेलू खाना पकाने की जरूरतों के लिए एलपीजी की सप्लाई की जा रही है। वहीं, पिछले तीन दिनों में ही 1.26 करोड़ बुकिंग के मुकाबले 1.14 करोड़ घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) डिलीवर किए गए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यहां अंतर-मंत्रालयी पत्रकार वार्ता में कहा कि हमारी रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। देश में किसी भी रिटेल आउटलेट पर स्टॉक खत्म होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप भी सुचारू रूप से काम कर रही हैं और कहीं भी स्टॉक खत्म होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों में 17,000 टन से ज्यादा कमर्शियल एलपीजी बेची गई है। 762 टन से ज्यादा ऑटो एलपीजी भी बेची गई है। इसके अलावा इसी दौरान 1,40,000 से ज्यादा 5 किलो के सिलेंडर बेचे गए हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा लगभग 93 कैंप लगाए गए, जिनमें 2,100 से ज्यादा सिलेंडर बेचे गए हैं।

विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर. महाजन ने पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति पर कहा कि विदेश मंत्रालय खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है। हमारे प्रयास इस क्षेत्र में रहने वाले बड़े भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं। उन्होंने कहा कि जानकारी साझा करने और अपने प्रयासों में तालमेल बिठाने के लिए हम राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ लगातार संपर्क में हैं। मंत्रालय में एक विशेष कंट्रोल रूम बनाया गया है, जो भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों के सवालों का जवाब देने के लिए पूरी तरह से काम कर रहा है।

महाजन ने कहा कि इस क्षेत्र में हमारे दूतावास और वाणिज्य दूतावास भारतीय नागरिकों को समय पर सहायता प्रदान करने के लिए चौबीसों घंटे हेल्पलाइन चला रहे हैं। वे हमारे नागरिकों की सक्रिय रूप से सहायता कर रहे हैं। वे स्थानीय सरकारों के साथ भी लगातार संपर्क में हैं। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय में निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने कहा कि बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, विदेशों में हमारे मिशनों और सभी समुद्री हितधारकों के साथ समन्वय जारी रखे हुए है, ताकि नाविकों का कल्याण और समुद्री परिचालन बिना किसी रुकावट के सुनिश्चित किया जा सके।

भारतः-आध्यात्मिकता,सर्वधर्म समभाव और मानव चेतना का वैश्विक केंद्र- नागपुर के हरे माधव सत्संग 16 17 मई 2026 के कृतार्थ, वैश्विक सामग्र आध्यात्मिक विमर्श

लोकतंत्र की शान

» जीवन मुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहब जी का परम सत्य वचन- मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति बाहरी संसार में नहीं, बल्कि उसके भीतर स्थित चेतना में निहित है

» भारत केवल एक भौगोलिक राष्ट्र नहीं, बल्कि चेतना, अनुभूति और आत्मज्ञान की वह ऊर्जा है जिसने सदियों से विश्व को आध्यात्मिक प्रकाश प्रदान किया है- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पृथ्वी की इस अनंत और रहस्यमयी धरा पर यदि किसी देश को आध्यात्मिक चेतना,सर्वधर्म समभाव,मानव कल्याण और परमार्थ का जीवंत प्रतीक कहा जाए, तो वह निस्संदेह भारत है। यह वही भूमि है जहाँ ऋषियों ने तप किया, जहाँ वेदों की ऋचाएँ गूँजीं, जहाँ बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया,जहाँ महावीर ने अहिंसा को धर्म का सर्वोच्च स्वरूप बताया, जहाँ संत कबीर ने मानवता को जाति- पंथ से ऊपर रखा और जहाँ गुरु परंपरा ने आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया। भारत केवल एक भौगोलिक राष्ट्र नहीं, बल्कि चेतना, अनुभूति और आत्मज्ञान की वह ऊर्जा है जिसने सदियों से विश्व को आध्यात्मिक प्रकाश प्रदान किया है। आधुनिक विज्ञान आज मानव मस्तिष्क की क्षमताओं पर शोध कर रहा है,किंतु भारतीय अध्यात्म हजारों वर्षों पूर्व यह बता चुका था कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति बाहरी संसार में नहीं, बल्कि उसके भीतर स्थित चेतना में निहित है। जीवन मुक्त बाबा ईश्वरशाह साहिब जी की प्रेरणा से मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि मानव जीवन का सबसे बड़ा रहस्य उसका स्वयं का मन है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह कहा जाता है कि मनुष्य अपने मस्तिष्क की क्षमताओं का सीमित भाग ही उपयोग कर पाता है। आध्यात्मिक दृष्टि से इसका कारण आत्मज्ञान की कमी माना गया है। जब मनुष्य केवल भौतिकता, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ में उलझ जाता है, तब उसका मन अशांत हो जाता है और उसकी आंतरिक ऊर्जा बिखर जाती है। भारतीय ध्यान परंपरा कहती है कि यदि व्यक्ति कुछ समय मन और हृदयपूर्वक ध्यान में बैठे,तो उसका मस्तिष्क तंत्र अत्यंत सक्रिय और संतुलित हो सकता है। ध्यान केवल आँखें बंद करना नहीं, बल्कि अपने भीतर उतरने की वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति स्वयं को समझना प्रारंभ करता है। यही कारण है कि आज विश्व के बड़े-बड़े कॉर्पोरेट संस्थान,वैज्ञानिक और चिकित्सक भी मेडिटेशन और योग को मानसिक स्वास्थ्य तथा कार्यक्षमता के लिए आवश्यक मानने लगे हैं। योग और ध्यान की भारतीय परंपरा आज वैश्विक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी है।आध्यात्मिकता का सबसे सुंदर पक्ष यह है कि वह मनुष्य को जोड़ती है,तोड़ती नहीं। प्रकृति स्वयं हमें यह शिक्षा देती है। यदि किसी झुंड से एक प्राणी को दूर ले जाकर कहीं और छोड़ दिया जाए, तो वह अंततः वहीं पहुँचने का प्रयास करेगा जहाँ उसके समान विचारों और ऊर्जा वाले प्राणी हों। यह केवल पशु व्यवहार नहीं, बल्कि जीवन का गहन दार्शनिक सत्य है। मनुष्य भी उसी वातावरण में सबसे अधिक विकसित होता है जहाँ प्रेम, सकारात्मकता, सेवा,करुणा और परमार्थ का भाव हो। इसलिए संत-महापुरुष हमेशा सत्संग, संगति और सामूहिक चेतना के महत्व पर बल देते आए हैं। सत्संग शब्द ही अपने भीतर गहरी आध्यात्मिक अनुभूति समेटे हुए है,अर्थात सत्य के साथ संगति। जब व्यक्ति संतों के वचनों, भजनों, ध्यान और सेवा से जुड़ता है, तब उसका मन धीरे-धीरे विकारों से सटीकता से मुक्त होने लगता है। साथियों बात अगर हम भारत की इसी महान संत परंपरा में कटनी की पावन धरा को जानने की करें तो वहाँ पर स्थित बाबा माधवशाह-बाबा नारायणशाह दरबार आध्यात्मिक चेतना का एक अद्भुत केंद्र बन चुका है। यह केवल एक धार्मिक स्थल नहीं,बल्कि वह आध्यात्मिक संगम है जहाँ हजारों-लाखों श्रद्धालु आत्मिक शांति और जीवन की दिशा प्राप्त करने पहुँचते हैं। यहाँ आने वाले लोगों के अनुभव बताते हैं कि जब मनुष्य सच्चे भाव से सतगुरु की शरण में आता है, तब उसके भीतर सकारात्मक परिवर्तन प्रारंभ हो जाते हैं। इस दरबार की विशेषता केवल उसकी भव्यता नहीं, बल्कि वहाँ का परमार्थ भाव, सेवा संस्कृति और प्रेममय वातावरण है।वर्तमान समय में इस परंपरा को आगे बढ़ाने वाले जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब जी देश-विदेश में सत्संगों के माध्यम से मानवता को प्रेम, शांति, सेवा और आत्मज्ञान का संदेश दे रहे हैं। उनके सत्संगों में किसी एक धर्म, जाति या वर्ग का नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का स्वागत होता है। यही भारतीय अध्यात्म का मूल है वसुधैव कुटुम्बकम् अर्थात पूरा विश्व एक परिवार है। जीवन मुक्त बाबा ईश्वरशाह साहिब जी के अमृत वचनों में केवल धार्मिक उपदेश नहीं, बल्कि जीवन को सरल, सकारात्मक और परमार्थमय बनाने की प्रेरणा होती है। उनके सत्संगों में व्यक्ति केवल श्रोता बनकर नहीं बैठता, बल्कि वह अपने भीतर एक नई चेतना का अनुभव करता है। साथियों बात अगर हम इसी आध्यात्मिक परंपरा की महत्वपूर्ण कड़ी को समझने की करें तो उस रूप में 16 और 17 मई 2026 को नागपुर में तथा 19 व 20 मई 2026 को जलना महाराष्ट्र में आयोजित होने वाला हरे माधव सत्संग विशेष आकर्षण और आस्था का केंद्र बना हुआ है।लगभग 12 वर्षों के बाद नागपुर में जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब जी का आगमन होने जा रहा है, जिसे लेकर संगतों में अपार उत्साह और भावनात्मक उमंग दिखाई दे रही है। महाराष्ट्र की उपराजधानी नागपुर,जो सांस्कृतिक औरआध्यात्मिक विविधता का प्रतीक है, इन दिनों भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर दिखाई दे रही हैदेश के विभिन्न राज्यों महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान सहित अनेक क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालुओं के नागपुर पहुँचने की संभावना व्यक्त की गई है। साथियों हरे माधव सत्संग की विशालता और संगठन क्षमता का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्थाएँ की गई हैं। नागपुर मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 8 से लेकर विभिन्न बस स्थानकों तक संगतों को सत्संग स्थल और विश्राम स्थलों तक पहुँचाने के लिए वाहनों की व्यवस्था की गई है। यह केवल आयोजन प्रबंधन नहीं, बल्कि भारतीय सेवा संस्कृति का जीवंत उदाहरण है। भारतीय अध्यात्म में अतिथि देवो भव केवल कहावत नहीं,बल्कि जीवन का हिस्सा है। आने वाली संगतों के लिए रहने, विश्राम, सुबह के नाश्ते, दोपहर एवं रात्रि ब्रह्मभोज की समुचित व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था केवल भोजन कराने तक सीमित नहीं, बल्कि प्रेम, समानता और सामूहिकता की अनुभूति कराती है।16 मई 2026 को जीवन मुक्त बाबाजी के नागपुर आगमन के अवसर पर आयोजित होने वाली भव्य शोभायात्रा इस आयोजन का विशेष आकर्षण होगी।शोभायात्रा का प्रारंभ हनुमान मंदिर, हेमू कलानी चौक, जरीपटका से होगा और जरीपटका मुख्य बाजार से होकर गुजरेगी। इस यात्रा में ढोल-ताशों की गूँज, शंखध्वनि की मधुरता और ईश्वर नादम पाठक के सेवादारों की आध्यात्मिक प्रस्तुति वातावरण को भक्तिमय बना देगी। बाल संस्कार के बच्चों द्वारा प्रस्तुत नृत्य और स्केटिंग शो इस बात का प्रतीक होगा कि भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक धारा केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं, बल्कि नई पीढ़ी भी उससे गहराई से जुड़ रही है। जब हजारों श्रद्धालु वर्षों बाद अपने सतगुरु के दर्शन करेंगे, तब वह दृश्य केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भावनाओं, श्रद्धा और आत्मिक प्रेम का महासंगम होगा। साथियों बात अगर हम 17 मई 2026 को आयोजित होने वाला हरे माधव सत्संग के बारे में जानने की करें तो आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सत्संग में एलईडी माध्यम से श्री कलश की महिमा और सतगुरु बाबा नारायणशाह साहिब जी से जुड़े दिव्य प्रसंगों का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा। विशेष रूप से यह दर्शाया जाएगा कि किस प्रकार सतगुरु ने एक भगत को माँ गंगा और हर की पौड़ी के दिव्य दर्शन कराए। भारतीय संत परंपरा में ऐसे प्रसंग केवल चमत्कार के रूप में नहीं देखे जाते, बल्कि उन्हें श्रद्धा, विश्वास और गुरु-शिष्य संबंध की आध्यात्मिक अनुभूति के रूप में समझा जाता है। गुरु को भारतीय संस्कृति में इसलिए सर्वोच्च स्थान दिया गया है क्योंकि वह व्यक्ति को अज्ञान से ज्ञान की ओर ले जाता है। गुरु शब्द का अर्थ ही है,अंधकार को दूर करने वाला। साथियों सत्संग में बाबा ईश्वरशाह साहिब जी के अमृत वचनों की वर्षा होने वाली है। अमृत वचन केवल शब्द नहीं होते, बल्कि वे जीवन को दिशा देने वाली आध्यात्मिक ऊर्जा होते हैं। जब संत मानवता, प्रेम, सेवा, त्याग और ध्यान की बात करते हैं, तब वह सीधे हृदय को स्पर्श करती है। आधुनिक जीवन में जहाँ व्यक्ति मानसिक तनाव, संबंधों की टूटन और आत्मिक रिक्तता से जूझ रहा है, वहाँ ऐसे सत्संग मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाने का कार्य करते हैं। संतों का संदेश हमेशा सरल होता है, मनुष्य पहले स्वयं को जाने, अपने भीतर ईश्वर को अनुभव करे और फिर मानवता की सेवा को जीवन का उद्देश्य बनाए।भारतीय अध्यात्म का एक और महान पक्ष ब्रह्मभोज की परंपरा है। सत्संग के पश्चात आयोजित होने वाला हरे माधव ब्रह्मभोज केवल भोजन ग्रहण करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि समानता, प्रेम और सामूहिक चेतना का प्रतीक है। जब हजारों लोग बिना किसी भेदभाव के एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं, तब वहाँ अमीर-गरीब, जाति-पंथ और ऊँच-नीच की दीवारें स्वतः समाप्त हो जाती हैं। यही सर्वधर्म समभाव का वास्तविक स्वरूप है। भारतीय संस्कृति ने सदियों से यही सिखाया है कि मानवता सबसे बड़ा धर्म है।

साथियों बात अगर हम विश्व स्तर पर आज जब मानवता की मुख्य समस्याओं को समझने की करें तो युद्ध,तनाव,मानसिक अवसाद, अकेलेपन और भौतिक प्रतिस्पर्धा की आग में झुलस रही है, तब भारत की आध्यात्मिक विरासत एक आशा की किरण बनकर उभर रही है। यही कारण है कि दुनिया भर के सैलानी और साधक भारत की यात्रा को केवल पर्यटन नहीं, बल्कि आत्मिक अनुभव मानते हैं। कोई वाराणसी के घाटों पर शांति खोजता है, कोई हर की पौड़ी में आस्था का प्रवाह महसूस करता है, कोई हिमालय की गुफाओं में ध्यान की अनुभूति करता है, तो कोई संतों के सत्संग में बैठकर जीवन का अर्थ खोजता है। भारत की यही विशेषता उसे विश्व का आध्यात्मिक ध्रुव बनाती है। यहाँ धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क्रि भारत सदियों से यह संदेश देता आया है कि सभी धर्मों का मूल प्रेम, शांति और मानव कल्याण है।चाहे मंदिर की घंटियाँ हों,मस्जिद की अज़ान,गुरुद्वारे का कीर्तन या चर्च की प्रार्थना सभी का उद्देश्य मनुष्य को ईश्वर और मानवता से जोड़ना है। यही कारण है कि भारत को सर्वधर्म समभाव की भूमि कहा जाता है।यहाँ विविधता में एकता केवल राजनीतिक नारा नहीं,बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक जीवन का आधार है।नागपुर व जालना महाराष्ट्र में आयोजित होने वाला यह हरे माधव सत्संग केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय अध्यात्म की उसी वैश्विक परंपरा का जीवंत उत्सव है,जिसमें प्रेम है,सेवा है,ध्यान है, करुणा है और मानवता को जोड़ने की शक्ति है। यह आयोजन एक बार फिर यह सिद्ध करता है कि भारत आज भी विश्व को केवल तकनीक और अर्थव्यवस्था ही नहीं, बल्कि आत्मा की शांति और मानवता की दिशा भी प्रदान कर सकता है।जब हजारों श्रद्धालु एक साथ हरे माधव का जाप करेंगे, तब वह केवल ध्वनि नहीं होगी, बल्कि मानव चेतना को जोड़ने वाली आध्यात्मिक तरंग होगी,जो यह संदेश देगी कि सच्चा सुख बाहर नहीं, बल्कि अपने भीतर और परमार्थमय जीवन में छिपा हुआ है।

-संकलनकर्ता लेखक
- क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक
चिंतक कवि संगीत माध्यमा
सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन
सनमुखदास भावनानीं गोंदिया
महाराष्ट्र 9226229318

उत्तर भारत में आखिर कब तक पुराने चेहरों के मोह में उलझी रहेगी कांग्रेस?

लेखक- दिलीप कुमार पाठक

आज की तारीख में राजनीति को देखें, तो कांग्रेस और भाजपा के बीच की जंग अब एक नए मोड़ पर है। एक तरफ दक्षिण भारत है, जहाँ राहुल गांधी ने गजब की मैच्योरिटी दिखाई है। तमिलनाडु में जब सुपरस्टार थलापति विजय ने अपनी नई पार्टी टीवीके के साथ मैदान मारा, तो राहुल ने किसी बड़े भाई की अकड़ दिखाने के बजाय उन्हें सम्मान दिया। यह राहुल की ही रणनीति थी कि भाजपा को रोकने के लिए वहां एक ऐसी लामबंदी हुई कि पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन तक को कहना पड़ा कि छह महीने तक विजय से कोई सवाल नहीं होगा। कल जब विजय ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तो कांग्रेस वहां एक उदार साथी के रूप में खड़ी थी। कर्नाटक, तेलंगाना और केरल में अपनी पकड़ मजबूत कर कांग्रेस ने दक्षिण को अपना अभेद्य किला बना लिया है। लेकिन, जैसे ही हम विंध्य पर्वत पार कर उत्तर भारत की हिंदी पट्टी में आते हैं, कहानी एकदम उलट जाती है। सवाल वही है जो दांव समंदर किनारे फिट है, वह गंगा यमुना के मैदानों में आकर फेल क्यों हो जाता है? उत्तर भारत में कांग्रेस का वोट शेयर आज भी 35 से 45 फीसदी के बीच रहता है। 2024 के चुनाव में मिला 21.2% का राष्ट्रीय वोट शेयर बताता है कि जनता हाथ का साथ देने को तैयार है, लेकिन दिक्कत चेहरों की है। भाजपा ने यहाँ बड़ी चालाकी से पीढ़ी परिवर्तन कर दिया। उसने मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में अपने पुराने दिग्गजों को किनारे लगा दिया और नए चेहरों को कमान सौंप दी। वहीं कांग्रेस अब भी उन पुराने गाड्र्स के मोह से बाहर नहीं निकल पा रही है, जो खुद तो चुनाव जीत नहीं पाते लेकिन किसी नए को उभरने भी नहीं देते। उत्तर भारत में कांग्रेस की जड़ें कोई और नहीं, बल्कि वही बुजुर्ग नेता काट रहे हैं जो दशकों से संगठन पर कुंडली मारकर बैठे हैं। इन नेताओं का अपना कोई जनाधार बचा नहीं है, लेकिन दिल्ली के गलियारों में इनकी पकड़ इतनी मजबूत है कि सचिन पायलट, दीपेंद्र हुड्डा और जीतू पटवारी जैसे ऊर्जावान चेहरों को आज भी परमिशन और प्रोटोकॉल के नाम पर उलझाया जाता है।कन्हैया कुमार जैसा उदाहरण हमारे सामने है - जो भाजपा को उसकी भाषा में जवाब दे सकते हैं, लेकिन पार्टी के पुराने नेता उसे अपनी जागीर के लिए खतरा मानते हैं। जब तक कांग्रेस इन युवाओं को फ्रंट सीट पर नहीं बठिएगी और बुजुर्गों को मार्गदर्शक मंडल में नहीं भेजेगी, वह भाजपा की नई और तेज रफ्तार मशीनरी का मुकाबला नहीं कर पाएगी। दूसरी तरफ, भाजपा के लिए भी अब सब कुछ आसान नहीं है। मार्च 2026 के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि देश में बेरोजगारी दर 5.1% पर है और युवाओं में तो यह 15.2% तक पहुँच गई है।उत्तर भारत का युवा अब खाली नारों से थक चुका है, उसे हाथ में नौकरी चाहिए। अग्निवीर को लेकर गुस्सा अभी भी ठंडा नहीं हुआ है और महंगाई 3.4% ने आम आदमी की कमर तोड़ रखी है। भाजपा की सबसे बड़ी कमजोरी उसका यही अति-आत्मविश्वास है, जिसने उसे जमीन से थोड़ा काट दिया है। देखा जाए तो कांग्रेस मुक्त भारत का नारा अब एक पुरानी बात लगती है क्योंकि कांग्रेस का वजूद खत्म नहीं हुआ लेकिन वापसी का रास्ता केवल यात्राओं से नहीं, बल्कि उस सांगठनिक सर्जरी से खुलेगा जिसे करने से राहुल गांधी अब तक बचते रहे हैं। राहुल को केवल दक्षिण का पावर हाउस बनकर खुश नहीं होना चाहिए। दिल्ली की जंग जीतने के लिए कांग्रेस को बड़े फैसले लेने होंगे, उन पुराने चेहरों को विदा करना होगा जो पार्टी के लिए बोझ बन चुके हैं, और युवाओं को भरपूर आज़ादी देनी होगी। भाजपा की आर्थिक मोर्चे पर विफलताओं को प्रभावी नैरेटिव में बदलना होगा। दिल्ली का रास्ता आज भी उत्तर भारत से ही होकर गुजरता है, और यहाँ की जंग सिर्फ नारों से नहीं, बल्कि नए चेहरों और ठोस आर्थिक समाधानों से ही जीती जा सकती है। अब गेंद राहुल गांधी के पाले में है कि वे कब और कैसे इस कठिन मगर अनिवार्य सर्जरी को अंजाम देते हैं।

एक साल तक सोना न खरीदने की अपीलः क्या बदल सकती है भारत की अर्थव्यवस्था?

सैयद इसरार हुसैन

भारत में सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि भावनाओं, परंपराओं और सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। सदियों से भारतीय परिवार सोने को सुरक्षा और समृद्धि का माध्यम मानते आए हैं। शादी-ब्याह, त्योहार, जन्मोत्सव या पारिवारिक समारोह—हर अवसर पर सोने की चमक भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रखती है।

ऐसे में यदि देश का नेतृत्व नागरिकों से एक वर्ष तक सोना न खरीदने की अपील करे, तो यह केवल एक आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने का प्रयास माना जाएगा। प्रधानमंत्री द्वारा अपने हालिया संबोधन में की गई यह अपील आर्थिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण संकेत देती है।

सोने की बढ़ती मांग और अर्थव्यवस्था पर असर- भारत विश्व के सबसे बड़े स्वर्ण उपभोक्ता देशों में शामिल है। देश हर वर्ष भारी मात्रा में सोने का आयात करता है, जिसके लिए अरबों डॉलर विदेशी मुद्रा के रूप में खर्च होते हैं। इसका सीधा प्रभाव भारत के व्यापार घाटे और चालू खाते के संतुलन पर पड़ता है।जब किसी देश का आयात लगातार बढ़ता है और निर्यात उस अनुपात में नहीं बढ़ पाता, तब विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बनता है। भारत में कच्चे तेल के बाद सोना सबसे अधिक आयात होने वाली वस्तुओं में गिना जाता है। यही कारण है कि अर्थशास्त्री लंबे समय से सोने की अत्यधिक खपत को आर्थिक चुनौती मानते रहे हैं।

एक वर्ष तक सोना न खरीदने से संभावित लाभ-यदि देशवासी सीमित समय के लिए भी सोने की खरीद में कमी लाते हैं, तो इसके व्यापक आर्थिक प्रभाव दिखाई दे सकते हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार होगा मजबूत-सोने के आयात में कमी आने से डॉलर की मांग घटेगी। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी और देश का विदेशी मुद्रा भंडार अधिक मजबूत बन सकेगा।

रुपये को मिल सकती है मजबूती-कम आयात का सकारात्मक असर भारतीय रुपये पर भी पड़ सकता है। डॉलर पर निर्भरता कम होने से रुपये की स्थिति अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपेक्षाकृत बेहतर हो सकती है।

निवेश की दिशा बदलेगी- यदि लोग सोने के बजाय बैंकिंग, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार, सरकारी बॉन्ड, स्टार्टअप या इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में निवेश करें, तो वह धन देश की उत्पादक अर्थव्यवस्था में शामिल होगा। इससे उद्योगों को पूंजी मिलेगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

आत्मनिर्भर भारत को बल- देश के भीतर निवेश बढ़ने से घरेलू उत्पादन और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। इससे "आत्मनिर्भर भारत" जैसी योजनाओं को भी मजबूती मिलेगी।

बदलती सोच की आवश्यकता-भारतीय समाज में सोना अक्सर सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक सुरक्षा से जोड़ा जाता है। कई परिवार अपनी आय से अधिक खर्च कर सोना खरीदते हैं ताकि सामाजिक अपेक्षाओं को पूरा किया जा सके। लेकिन आधुनिक आर्थिक दौर में केवल निष्क्रिय संपत्ति जमा करना पर्याप्त नहीं माना जाता। आज आवश्यकता ऐसे निवेश की है जो देश की अर्थव्यवस्था को भी गति दे और व्यक्ति को बेहतर प्रतिफल भी प्रदान करे।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि वही धन शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक, उद्योग या उद्यमिता में लगाया जाए, तो उसका लाभ केवल परिवार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति में भी योगदान देगा।

क्या पूरी तरह संभव है यह बदलाव? भारतीय संस्कृति में सोने का भावनात्मक महत्व इतना गहरा है कि इसकी खरीद पूरी तरह रोकना व्यवहारिक रूप से कठिन दिखाई देता है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों और पारंपरिक परिवारों में सोना आज भी सबसे भरोसेमंद निवेश माना जाता है। फिर भी यदि लोग अनावश्यक खरीदारी से बचें और वित्तीय जागरूकता बढ़े, तो यह एक सकारात्मक शुरुआत हो सकती है। सरकार द्वारा डिजिटल गोल्ड, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड और अन्य वित्तीय निवेश योजनाओं को बढ़ावा देने के पीछे भी यही सोच है कि भौतिक सोने पर निर्भरता कम की जा सके।

निष्कर्ष प्रधानमंत्री की अपील को केवल एक आर्थिक सलाह के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह देशवासियों को यह समझाने का प्रयास है कि व्यक्तिगत आर्थिक आदतें भी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डालती हैं। यदि नागरिक सीमित समय के लिए भी संयम अपनाते हैं और अपने धन को उत्पादक क्षेत्रों में निवेश करते हैं, तो इससे भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा मिल सकती है। आज आवश्यकता केवल संपत्ति संग्रह की नहीं, बल्कि ऐसी आर्थिक सोच की है जो व्यक्तिगत समृद्धि के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण को भी मजबूती दे।

रोगियों की मुस्कान और उम्मीद का दूसरा नाम हैं नर्सें

लेखक- ललित गर्ग

हर वर्ष 12 मई को पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाती है। यह दिन आधुनिक नर्सिंग सेवा की जननी मानी जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस उन अनगिनत संवेदनशील हाथों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो दिन-रात रोगियों के दर्द को कम करने, उन्हें जीवन का भरोसा देने और मृत्यु से संघर्ष कर रहे व्यक्ति के भीतर आशा का दीप जलाने का कार्य करते हैं। दुनिया में नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, हर दिन, नर्सें शांत शक्ति, स्थिर हाथों और करुणा से भरे दिलों के साथ अस्पतालों, क्लीनिकों और विभिन्न सामुदायिक स्थानों पर कदम रखते हुए रोगियों के लिये देवदूत बनती हैं। नर्से भगवान का रूप होती है, वे ही इंसान के जन्म की पहली साक्षी बनती है और उनमें करुणा का बीज बोती है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ दे देती हैं। रोगी की सेवा करते हुए वे अपना पारिवारिक सुख, करियर, जीवन और वर्तमान सबकुछ झोंक देती है। वर्ष 2026 की थीम "हमारी नर्सें, हमारा भविष्य-सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं" पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि यदि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाना है तो नर्सों को सम्मान, सुरक्षा, संसाधन और सशक्त वातावरण देना होगा। यह दिवस 1965 से इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज द्वारा शुरु हुआ है, बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश एवं दुनिया में नर्सों द्वारा किए गए अद्भुत सेवा कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है। वह केवल इंजेक्शन लगाने, दवाइयां देने या रिपोर्ट संभालने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह रोगी के मनोबल की संरक्षक होती है। वह अपने व्यवहार, शब्दों और संवेदनाओं से रोगी को यह विश्वास दिलाती है कि वह अकेला नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में नर्सों को "धरती के फरिश्ते" कहा जाता है। मानवीय सेवा का सबसे जीवंत और प्रभावशाली स्वरूप यदि कहीं दिखाई देता है तो वह नर्सिंग सेवा में दिखाई देता है। एक नर्स रोगी की पीड़ा को केवल देखती नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करती है। वह रात-रात भर जागकर मरीजों की देखभाल करती है, उनके दर्द की भाषा समझती है, उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखती है और कई बार अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य और अपनी खुशियों की कीमत पर भी रोगियों की सेवा करती है। कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के समय पूरी दुनिया ने देखा कि जब लोग अपने ही परिजनों से दूरी बना रहे थे, तब नर्सें संक्रमित मरीजों के सबसे निकट खड़ी थीं। उन्होंने मृत्यु के भय को पीछे छोड़कर जीवन की रक्षा का संकल्प निभाया। उस दौर ने यह सिद्ध कर दिया कि नर्सें केवल स्वास्थ्यकर्मी नहीं, बल्कि मानवता की सबसे मजबूत प्रहरी हैं। नर्सिंग सेवा केवल पेशा नहीं, बल्कि करुणा, धैर्य और त्याग की साधना है। एक नर्स उस समय भी मुस्कुराती रहती है जब वह स्वयं मानसिक और शारीरिक थकान से गुजर रही होती है। वह रोगियों के बीच आशा का वातावरण बनाती है। कई बार ऐसे मरीज, जो मानसिक रूप से टूट चुके होते हैं, नर्सों की आत्मीयता और प्रेरणा से पुनः जीवन के प्रति सकारात्मक हो जाते हैं। चिकित्सा विज्ञान में दवाइयों की अपनी भूमिका है, लेकिन संवेदनशील देखभाल और मानसिक संबल रोगी के उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। यही कारण है कि कहा जाता है कि "नर्स का स्पर्श भी एक औषधि है।" आज जब दुनिया आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में प्रवेश कर चुकी है, तब भी नर्सिंग सेवा की आवश्यकता और महत्ता कम नहीं हुई, बल्कि और अधिक बढ़ी है। मशीनें रोग का परीक्षण कर सकती हैं, लेकिन वे रोगी की आंखों में छिपे भय को नहीं पढ़ सकतीं। तकनीक इलाज का माध्यम बन सकती है, लेकिन वह करुणा का विकल्प नहीं बन सकती। नर्सों की सबसे बड़ी शक्ति उनकी संवेदनशीलता है, जो उन्हें अन्य सभी स्वास्थ्य सेवाओं से अलग पहचान देती है। इसी कारण आज भी नर्सिंग दुनिया का सबसे अधिक अपेक्षित और सम्मानित स्वास्थ्य पेशा माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक प्रशिक्षित नर्सों की कमी है। विकसित देशों में बेहतर वेतन और सुविधाओं के कारण विकासशील देशों की अनेक प्रतिभाशाली नर्सें विदेशों की ओर आकर्षित हो रही हैं। परिणामस्वरूप गरीब और विकासशील देशों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। विश्व स्तर पर नर्सों की बढ़ती आवश्यकता यह संकेत देती है कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता नर्सों की उपलब्धता और दक्षता पर ही निर्भर करेगी। इसलिए यह समय नर्सों को केवल "सेवक" के रूप में देखने का नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य व्यवस्था के निर्णायक स्तंभ के रूप में स्वीकार करने का है। भारत जैसे विशाल देश में नर्सिंग सेवा को अधिक सशक्त, सम्मानजनक और सुरक्षित बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। नर्सों के लिए बेहतर वेतनमान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां, पर्याप्त अवकाश, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग, कौशल विकास और नेतृत्व के अवसर सुनिश्चित किये जाने चाहिए। निजी और सरकारी अस्पतालों को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां नर्सें सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सकें। यदि नर्सें स्वयं तनाव, असुरक्षा और उपेक्षा से घिरी रहेंगी, तो स्वास्थ्य सेवाओं की मानवीय गुणवत्ता प्रभावित होगी। इसलिए नर्सों का कल्याण केवल उनका व्यक्तिगत प्रश्न नहीं, बल्कि पूरी मानवता के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ विषय है। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस की 2026 की थीम भी इसी सोच को आगे बढ़ाती है कि "सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं।" जब नर्सों को प्रशिक्षण, संसाधन, निर्णय लेने का अधिकार और सामाजिक सम्मान मिलेगा, तभी वे अपनी पूरी क्षमता के साथ समाज को स्वस्थ बना सकेंगी। यह दिवस हमें केवल नर्सों का सम्मान करने की प्रेरणा नहीं देता, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि नर्सों के बिना कोई भी स्वास्थ्य व्यवस्था पूर्ण नहीं हो सकती। अस्पतालों की वास्तविक धड़कन नर्सें ही हैं। रोगियों की आंखों में लौटती चमक, परिवारों के चेहरे पर आती राहत और स्वस्थ जीवन की ओर लौटते कदमों में नर्सों की निःस्वार्थ सेवा का मौन योगदान छिपा होता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज नर्सों को केवल एक कर्मचारी के रूप में न देखे, बल्कि उन्हें मानवता के संवेदनशील रक्षकों के रूप में पहचाने। बच्चों के जन्म से लेकर जीवन की अंतिम सांस तक नर्सें हर महत्वपूर्ण क्षण में हमारे साथ खड़ी रहती हैं। वे दर्द को कम करती हैं, टूटे मन को संभालती हैं और निराशा में उम्मीद का प्रकाश जगाती हैं। सच तो यह है कि नर्सें केवल शरीर का उपचार नहीं करतीं, वे मनुष्य के भीतर जीने की इच्छा को भी जीवित रखती हैं। आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये नर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करती है।

● कौन होगा भारतीय टी20 टीम का अगला कप्तान?

संजू और श्रेयस अय्यर नाम आया सामने

हैदराबाद (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की अपने देश को टी20 वर्ल्ड कप जिताने की खुशी शायद ज्यादा दिनों तक न रहे. जिस तरह के हालात बन रहे हैं, उसे देखते हुए लगता है कि वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान सूर्यकुमार आईपीएल 2026 खत्म होते ही भारत की टी20 कप्तानी गंवा देंगे. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी जगह श्रेयस अय्यर या फिर संजू सैमसन में से किसी एक को नया कप्तान बनाने की तैयारी में हैं। बता दें कि इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद से टीम इंडिया ने कोई टी20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है. नया सीजन जून के आखिर में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज के साथ शुरू होगा. आईपीएल खत्म होने के बाद बीसीसीआई की चयन समिति की बैठक होगी, जिसमें टीम इंडिया के स्क्वाड और नए कप्तान पर फैसला लिया जाएगा।

खबरों के मुताबिक, इस बैठक में श्रेयस अय्यर या संजू सैमसन को आधिकारिक तौर पर नया कप्तान घोषित किए जाने की संभावना है. चयनकर्ता सैमसन की तरफ ज्यादा झुके हुए हैं, जिसकी वजह टी20 वर्ल्ड कप में उनकी अहम पारियां, आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए उनका मौजूदा शानदार प्रदर्शन और राजस्थान फ्रेंचाइजी की कप्तानी का उनका पिछला अनुभव है। इस आईपीएल सीजन में अब तक सैमसन ने 10 मैच खेले हैं और 402 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है. इसके अलावा श्रेयस अय्यर, आईपीएल में सफल कप्तान रहने के बावजूद, टी20 टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे हैं. लेकिन उन्होंने भी अपने शानदार खेल से सभी को प्रभावित किया है। अय्यर ने आखिरी बार दिसंबर 2023 में भारत के लिए टी20 इंटरनेशनल मैच खेला था. नतीजतन, ऐसा माना जा रहा है कि चयनकर्ताओं को इस मोड़ पर उन्हें टीम में वापस लाना और तुरंत कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपना बहुत मुश्किल लग रहा है. इसलिए वो कप्तानी के लिए सेकंड ऑप्शन हैं।

कप्तान के तौर पर सूर्य का प्रदर्शन

सूर्यकुमार के बल्लेबाजी के आंकड़े पहले से ही काफी चिंताजनक हैं. भारत के वर्ल्ड कप का खिताब बरकरार रखने के बावजूद, मुंबई के इस खिलाड़ी ने वर्ल्ड कप के दौरान दबाव में आकर कई बार निराश किया है. उन्होंने इस टूर्नामेंट के नौ मैचों में कुल 242 रन बनाए हैं. इनमें से, भारतीय कप्तान ने अपने पहले ही मैच में, जो कि एक अपेक्षाकृत कमजोर टीम, अमेरिका, के खिलाफ था, 84 रन बनाए थे. कप्तान के तौर पर स्काई ने अब तक 45 टी20 मैचों में कुल 932 रन ही बनाए हैं।

आरसीबी कोच एंडी फ्लावर पर लगा जुर्माना

● मुंबई के खिलाफ मैच के दौरान की थी ये बड़ी गलती

मुंबई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर को मैच के दौरान चौथे अंपायर से बहस करना भारी पड़ा गया. क्योंकि बीसीसीआई ने उन के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है. मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान चौथे अंपायर से गुस्से में बहस करने की वजह से जुर्माना लगा दिया है. आईपीएल की आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए फ्लावर की मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल ने अपने बयान में कहा, एंडी को आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो मैच के दौरान अश्लील शब्दों के इस्तेमाल से संबंधित है. इसी वजह से उनपर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगया गया हैं।

क्यों हुई अंपायर से बहस?

यह घटना 17.2 ओवर में हुई, जब क्रुणाल पांड्या से जुड़े एक विवादित बाउंड्री कॉल के बाद एंडी ने चौथे अंपायर से आक्रामक तरीके से बात की. गजनफर का सामना करते हुए, क्रुणाल ने गेंद को वाइड लॉन्ग-ऑन की ओर हवा में उछाला, जहां नमन धीर ने बाउंड्री लाइन के पास कैच लपका और फिर उसे तिलक वर्मा की ओर उछाल दिया. तिलक कैच पूरा नहीं कर पाए और उन्हें ऐसा लगा कि नमन ने छक्के का इशारा किया है. शायद उन्हें लगा कि नमन का एक जूता बाउंड्री कुशन से टकरा गया है।

● पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस प्लेऑफ से बाहर

कप्तान का छलका दर्द

कप्तान सूर्यकुमार ने कहा-यह हार पचा पाना मुश्किल

रायपुर (एजेंसी)। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में रविवार (10 मई) को मुंबई इंडियंस को बड़ा झटका लगा. जब उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. जिसके परिणामस्वरूप वो आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गए। एक मुश्किल पिच पर 166 रनों का बचाव करते हुए, मुंबई ने मुकाबले को आखिरी गेंद तक खींचा, लेकिन वो जीत हासिल करने में असफल रहे. इस दिल तोड़ देने वाली हार के बाद मुंबई इंडियंस के कार्यवाहक कप्तान सूर्यकुमार यादव ने माना कि उनकी टीम अहम मौकों पर पिछड़ गई, जिससे आईपीएल 2026 में मुंबई का सफर खत्म हो गया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम 10-15 रन पीछे रह गए. हम कह सकते हैं कि बल्लेबाजी के दौरान गलत समय पर विकेट गिरे. नमन (47 रन) और तिलक (57 रन) ने शानदार बल्लेबाजी की और अपना दम दिखाया. जिसकी वजह से 166 का सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने में सफल रहे।

सूर्य ने राज बावा की तारीफ की- सूर्यकुमार यादव ने युवा ऑलराउंडर राज बावा की भी खास तौर पर तारीफ की, जिन्होंने आखिरी ओवर के तनावपूर्ण माहौल में 15 रनों का लगभग सफलतापूर्वक बचाव कर लिया था, लेकिन आरसीबी ने आखिरी गेंद पर जीत हासिल कर ली। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह (डेथ बॉलिंग) का बहुत अच्छे से अभ्यास कर रहा था, और इस साल वह एक बिल्कुल अलग तरह का ऑलराउंडर बनकर उभरा. उसने लगभग हमारे लिए जीत पक्की कर ही दी थी। आखिरी ओवर में दोनों टीमों के बीच मुकाबला नाटकीय रूप से पलटा. बावा ने रोमारियो शेफर्ड को आउट करने से पहले कुछ अहम एक्स्ट्रा रन दिए, और फिर भुवनेश्वर कुमार ने उन्हें एक निर्णायक छक्का जड़ दिया।

रोमांचक मुकाबले में आरसीबी ने 2 विकेट से मारी बाजी

● मुंबई की उम्मीदों पर फेरा पानी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 54वें मैच में मुंबई इंडियंस को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. आरसीबी ने 167 रनों के लक्ष्य को आखिरी गेंद पर 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ जहां आरसीबी अंक तालिका में 14 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर पहुंच गया है, तो वहीं मुंबई प्लेऑफ की रेस बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गई है. इससे पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स सीएसके से हारकर प्लेऑफ से बाहर हुआ था। मुंबई के 167 रनों के जवाब में आरसीबी को लक्ष्य हासिल करने में काफी ज्यादा कठिनाई का सामना करना पड़ा. क्योंकि इस छोटे से लक्ष्य को हासिल करने के लिए 20 ओवर तक बल्लेबाजी करनी पड़ी. इस दौरान उन्होंने अपने 8 विकेट भी खो दिए.

चेपॉक में उर्विल पटेल का आया तूफान

● 13 गेंदों में फिफ्टी जड़कर बदला आईपीएल का इतिहास

जयपुर (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज उर्विल पटेल ने आईपीएळ के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है. उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मैच में टूर्नामेंट के इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक बनाया। इस दौरान उर्विल ने सिर्फ 13 गेंदों का सामना किया. इसके साथ उन्होंने यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली. जायसवाल ने 2023 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 13 गेंदों में अर्धशतक बनाया था।

आईपीएल के सबसे तेज फिफ्टी

● 13 – यशस्वी जायसवाल (आरआर) बनाम केकेआर, कोलकाता, 2023 ● 13 – उर्विल पटेल (सीएसके) बनाम एलएसजी, लखनऊ, 2026 ● 14 – केएल राहुल (पीबीकेएस) बनाम डीसी, मोहाली, 2018 ● 14 – पैट कमिंस (केकेआर) बनाम मुंबई, पुणे, 2022 ● 14 – रोमारियो शेफ़र्ड (आरसीबी) बनाम सीएसके, बेंगलुरु, 2025

हालांकि उर्विल पटेल की ये पारी ज्यादा देर तक नहीं चल सकी औ 23 गेंदों में 65 रन बनाकर ही आउट हो गए. इस दौरान ने उन्होंने अपनी पारी में 2 चौके और 8 छक्के लगाए. उर्विल की इस पारी की वजह से सीएसके 204 रनों के विशाल लक्ष्य को चेज करने में काफी सहज दिखी।

उर्विल ने तोड़ा डिविलियर्स का रिकॉर्ड

उर्विल ने अपनी पारी की शुरुआत धमाकेदार तरीके से की और 10 गेंद में ही 42 रन जड़ दिए. जिसके साथ वो आईपीएल के इतिहास में पहली 10 गेंद पर सबसे ज्यादा रन बनाने का एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया. जिन्होंने 10 गेंद में 41 रन बनाए थे।

व्यापार

ईरान युद्ध की भेंट चढ़ गया 1 अरब बैरल कच्चा तेल, बाजार खुलते ही 300 चढ़ गई कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमत में आज फिर उछाल आई है। अमेरिका और ईरान के बीच शांति के प्रस्ताव पर सहमति नहीं बन पाई है। इस प्रस्ताव का ड्राफ्ट अमेरिका ने तैयार किया था। लेकिन ईरान ने इस पर जो रिस्पॉन्स दिया है, उसे अमेरिका ने खारिज कर दिया है। इससे पश्चिम एशिया में पिछले 10 हफ्तों से चल रहे संघर्ष के तत्काल खत्म होने की उम्मीदों को झटका लगा है। होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों का आवाजाही लगभग बंद है जिससे दुनिया में कच्चे तेल की सप्लाई टाइट बनी हुई है। दुनिया का करीब 20 फीसदी कच्चा तेल इसी रास्ते गुजरता है। कच्चा तेल 3 फीसदी से अधिक तेजी के साथ ट्रेड कर रहा है। ब्रेंट क्रूड 4 डॉलर यानी 4 फीसदी तेजी के साथ 105 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा है। शुक्रवार को भी यह 1.23 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ था। यूएस वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट भी 4.33 डॉलर यानी 4.54 फीसदी तेजी के साथ 99.75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। रॉयटर्स के मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के शांति प्रस्ताव पर ईरान ने जो रिस्पॉन्स दिया है उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। ट्रंप बुधवार को चीन जा रहे हैं जहां उनकी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात होगी। माना जा रहा है कि दोनों नेता ईरान मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं। जानकारों का कहना है कि बाजार का फोकस अब राष्ट्रपति ट्रंप की चीन यात्रा पर है।

पीएम मोदी की 'विदेश यात्रा टालो' अपील का असर, ट्रैवल-टूरिज्म शेयर जमीन पर

नईदिल्ली, एजेंसी। यात्रा ऑनलाइन के शेयरों में 5.32 प्रतिशत की गिरावट है। भारी बिकवाली के चलते यह स्टॉक 102.40 पर आ गया है। वहीं, थॉमस कुक इंडिया के भी शेयर 4.12 प्रतिशत गिरकर 92.77 पर आ गए हैं। ईजी ट्रिप प्लानर्स के शेयरों में 3.02 प्रतिशत की गिरावट है। पीएम मोदी की अपील के बाद होटल सेक्टर में भी भगदड़ जैसी स्थिति है। पश्चिम एशिया संकट के कारण देश की अर्थव्यवस्था पर बढ़ रहे दबाव को कम करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दिन पहले ही देशवासियों से गैर-जरूरी विदेश यात्राएं टालने की अपील की थी। आज उस अपील का असर ट्रैवल, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की कंपनियों के स्टॉक्स पर देखने को मिल रहा है। इन कंपनियों के शेयर बुरी तरह गिरकर जमीन पर आ गए हैं, क्योंकि इसने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। उन्हें डर है कि मिडिल ईस्ट संकट के बीच सरकारी अपील से विदेश यात्राओं की मांग पर असर पड़ सकता है। आज यात्रा ऑनलाइन के शेयरों में 5.32 प्रतिशत की गिरावट है। भारी बिकवाली के चलते यह स्टॉक 102.40 पर आ गया है। वहीं, थॉमस कुक इंडिया के भी शेयर 4.12 प्रतिशत गिरकर 92.77 पर आ गए हैं। ईजी ट्रिप प्लानर्स के शेयरों में 3.02 प्रतिशत की गिरावट है और 11 बजे के करीब 7.72 पर ट्रेड कर रहे थे। 2.32 प्रतिशत टूटकर 164.47 पर आ चुका है। पीएम मोदी की अपील के बाद होटल सेक्टर में भी भगदड़ जैसी स्थिति है।

स्विगी, ओला, रेपिडो में काम करने वाले ध्यान दें, हेल्थ या लाइफ इंश्योरेंस का लाभ चाहिए तो 90 दिन काम करना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार ने नए सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत अंतिम नियमों को रूपरेखा दे दी है। इन नियमों के अनुसार अब स्विगी, जोमैटो, ओला, उबर और रेपिडो जैसे प्लेटफॉर्म्स से जुड़े गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त करने के लिए न्यूनतम कार्य दिवसों की शर्त पूरी करनी होगी। सामाजिक सुरक्षा लाभ में हेल्थ इंश्योरेंस , लाइफ इंश्योरेंस, एक्सीडेंट इंश्योरेंस आदि आते हैं। ये नियम उन लोगों को निराश कर सकते हैं जो पार्ट टाइम जॉब के लिए इन प्लेटफॉर्म पर आते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक अगर कोई कर्मचारी केवल एक प्लेटफॉर्म (जैसे सिर्फ जोमैटो) के साथ जुड़ा है, तो उसे साल में कम से कम 90 दिन काम करना होगा। अगर कोई कर्मचारी एक से अधिक प्लेटफॉर्म (जैसे ओला और उबर दोनों) पर सक्रिय है, तो यह सीमा बढ़ाकर 120 दिन कर दी गई है। वहीं अगर कोई कर्मचारी एक ही दिन में तीन अलग-अलग एग्रीगेटर्स यानी कंपनियों से कमाई करता है, तो उसे तीन कार्य दिवस के रूप में गिना जाएगा। सरकार ने कंपनियों पर कड़ा शिकंजा कसते हुए कई निर्देश जारी किए हैं: कंपनियों को हर गिग वर्कर का विवरण केंद्र सरकार के पोर्टल पर 45 दिनों के भीतर अपलोड करना होगा। नए जॉइनिंग और एग्जिट की जानकारी रियल-टाइम या दैनिक आधार पर देनी होगी। रजिस्ट्रेशन के बाद प्रत्येक पात्र कर्मचारी को एक विशिष्ट पहचान पत्र जारी किया जाएगा। अगर कोई कंपनी सामाजिक सुरक्षा फंड में योगदान देने में विफल रहती है, तो उसे 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज (1 प्रतिशत प्रति माह) की दर से जुर्माना देना होगा।

सोने में मामूली गिरावट, चांदी में तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने चांदी का भाव , 11 मई 2026: सोने और चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट आई है। एमसीएक्स पर शुरुआती कारोबार में सोना 600 रुपये से अधिक सस्ता हुआ है जबकि चांदी की कीमत में 3,000 रुपये की तेजी आई है। 5 जून की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,52,530 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज यह 1,52,487 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 638 रुपये की गिरावट के साथ 1,51,892 रुपये तक गिरा।

11.15 बजे यह 288 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,242 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। दूसरी ओर 3 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 2,61,922 रुपये किलो के भाव पर बंद हुई थी। आज यह 2,64,535 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 3,000 रुपये की तेजी के साथ 2,64,922 रुपये तक उछली। सुबह 11.17 बजे चांदी 196 रुपये यानी 0.07 फीसदी की तेजी के साथ 2,62,118 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

सर्राफा में सोने चांदी की कीमत

सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट गोल्ड 220 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,130 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। 22 कैरेट वाला गोल्ड 200 रुपये की गिरावट के साथ 1,39,450 रुपये पर आ गया जबकि

18 कैरेट गोल्ड 160 रुपये की गिरावट के साथ 1,14,100 रुपये पर आ गया। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार शनिवार और रविवार को बंद रहे। एमसीएक्स पर भी इन दो दिन कारोबार नहीं हुआ। ऐसे में शुक्रवार के रेट ही लागू रहे। बीते सत्र में सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में नरमी दिखी। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बीच निवेशकों ने मुनाफावसूली की। यह दोनों कीमती धातुओं में गिरावट की वजह बनी। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, शुक्रवार को बाजार बंद होने तक चांदी की कीमत टूटकर 2,61,300 रुपये प्रति किलो रह गई। इसी तरह सोना लुढ़ककर 1,55,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। सर्राफा बाजार के उलट मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों कीमती धातुओं में तेजी देखने को मिली।

पिता के संघर्ष से मिला सबक, भाई-बहन ने बदल दी कहानी, खड़ा किया 4 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। अशलिन बंसल और सचित बंसल भाई-बहन हैं। वे दिल्ली में पले-बढ़े हैं। भाई-बहन की इस जोड़ी ने बहुत कम समय में सफल स्टार्टअप खड़ा कर दिया है। इस स्टार्टअप की नींव दोनों ने साल 2022 में रखी थी। इसका नाम कॉस्टिफाई है। यह रीफर्बिश किए गए होम एप्लायंस बेचता है। पिता के व्यापार में उतार-चढ़ाव और संघर्षों से मिली सीख को आधार बनाकर भाई-बहन ने इसकी शुरुआत की। आज यह स्टार्टअप सालाना 4 करोड़ रुपये की कमाई कर रहा है। इसने 8,000 से अधिक ग्राहकों को अपनी सेवाएं दी हैं। आइए, यहां अशलिन और सचित की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

पिता का संघर्ष बना सबक

अशलिन और सचित के उद्यमी बनने का सफर उनके पिता राजेश बंसल के संघर्षों से प्रभावित है। 2008 के ग्लोबल वित्तीय संकट, नोटबंदी और फिर

महामारी के दौरान उनके पिता के कई व्यवसाय प्रभावित हुए। लेकिन, उन्होंने हार नहीं मानी। पिता के इसी जुझारू व्यक्तित्व और 'सेकेंड चांस' की अहमियत को समझकर भाई-बहन ने अपने स्टार्टअप की नींव रखी। कड़ी मेहनत और अपनी जड़ों से जुड़े रहने के मूल्य को समझा। इसे उन्होंने अपने स्टार्टअप का आधार बनाया। भरोसे और गुणवत्ता की भारी कमी रही है। लोग पुराने सामान को 'जुगाड़' और असुरक्षित मानते हैं। भाई-बहन को यहीं मौका दिखाई दिया। उन्होंने इस तस्वीर को बदलने का फैसला किया। उनका स्टार्टअप हर प्रोडक्ट मल्टी-स्टेज टेस्टिंग और ओरिजिनल पार्ट्स के रिप्लेसमेंट के बाद ही वारंटी के साथ बेचता है। इसके अलावा, भारत में हर साल पैदा होने वाले 17 लाख टन ई-कचरे को कम करने के लिए यह स्टार्टअप पुराने उपकरणों को 5-7 साल की नई लाइफ देता है। इससे पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिल रही है। अशलिन और सचित ने पुराने ढर्रे पर होने वाली मरम्मत की जगह वैज्ञानिक प्रक्रिया विकसित की है। उन्होंने एआई बेस्ड रीफर्बिशमेंट और ट्रेनिंग सिस्टम बनाया है। यह आइटीआइ पास लोगों को 8 से 12 हफ्तों में कुशल तकनीशियन बनाता है। इस प्रोग्राम के जरिये स्टार्टअप न केवल रिपेयरिंग की क्वालिटी को एक समान रखता है। इसके बजाय कमजोर बैकग्राउंड से आने वाले युवाओं को तकनीक के साथ जोड़कर उनकी आय बढ़ाने का काम भी कर रहा है। हाल ही में एंजेल फंडिंग राउंड जुटाने के बाद अशलिन और सचित अब कारोबार का एक्सपैंशन कर रहे हैं। 4 करोड़ रुपये के सालाना रेवेन्यू के साथ स्टार्टअप अब बड़े ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स के साथ पार्टनरशिप और फ्रेंचाइजी मॉडल पर विचार कर रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)